RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 241 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 01-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस ने असम के युवाओं की प्रतिभा, क्षमताओं का दुरुपयोग किया : राजनाथ

पश्चिम एशिया संघर्ष का फायदा उठाने के लिए

‘राजनीतिक गिद्ध’ की तरह घात लगाए हुए है कांग्रेस : मोदी

थराद(गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जहां दुनिया युद्ध, अशांति और ईंधन की बढ़ती कीमतों का सामना कर रही है वहीं भारत ने अपनी मजबूत विदेश नीति और अपने लोगों की एकजुटता के कारण इस स्थिति का मुकाबला प्रभावी ढंग से किया है।

मोदी ने कांग्रेस पर लोगों में दहशत फैलाने का आरोप लगाया ताकि लोग पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लगा सकें। उन्होंने मुख्य विपक्षी पार्टी की तुलना ‘राजनीतिक गिद्धों’ से करते हुए कहा कि वह (पश्चिम एशिया युद्ध से उत्पन्न) स्थिति का राजनीतिक फायदा उठाने की फिराक में है।

मोदी ने गुजरात के वाव थराद जिले के नानी गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, अशांति और बढ़ती ईंधन कीमतों से जूझ रही है, भारत ने अपनी मजबूत विदेश नीति और अपने लोगों की एकजुटता के कारण स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला है।’’

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न के सभी फॉर्म अधिसूचित

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के सभी फॉर्म अधिसूचित कर दिए हैं।

इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की आय के लिए रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आयकर विभाग ने मंगलवार को आईटीआर-2, 3, 5, 6 और 7 के साथ अद्यतन रिटर्न दाखिल करने के लिए आईटीआर-यू फॉर्म को भी अधिसूचित किया।

इसके पहले आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म 30 मार्च को अधिसूचित किए गए थे। इन फॉर्म का इस्तेमाल छोटे और मध्यम करदाता करते हैं। व्यक्तिगत करदाताओं और खातों का ऑडिट आवश्यक नहीं होने वाले करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है।

आईटीआर-1 (सहज) और आईटीआर-4 (सुगम) अपेक्षाकृत सरल फॉर्म हैं, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं के लिए हैं। सहज फॉर्म को ऐसे निवासी व्यक्ति भर सकते हैं जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपए तक है।

53 साल बाद चंद्रमा मिशन के लिए उडान भरेगा नासा का ‘आर्टेमिस-2’

केप कैनवेरल (फ्लोरिडा)/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 53 वर्षों में पहली बार मानवयुक्त चंद्र मिशन के प्रक्षेपण के लिए उलटी गिनती शुरू कर दी है। ‘आर्टेमिस-2’ मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर विशाल स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट बुधवार शाम प्रक्षेपण के लिए तैयार है।

लगभग 32 मंजिला ऊंचा यह रॉकेट अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में एक दिन बिताने के बाद ‘ओरियन’ कैप्सूल के जरिए चंद्रमा की ओर लेकर जाएगा। यह मिशन चंद्रमा की कक्षा में उतरने के बजाय उसके चारों ओर घूमकर सीधे पृथ्वी की ओर लौटेगा। करीब 10 दिन की इस यात्रा का समापन प्रशांत महासागर में कैप्सूल के उतरने के साथ होगा।

नासा के अधिकारियों के अनुसार, हालिया मरम्मत कार्यों के बाद रॉकेट पूरी तरह तैयार है और प्रक्षेपण के समय मौसम भी अनुकूल रहने की संभावना है। इससे पहले यह मिशन फरवरी में निर्धारित था, लेकिन हाइड्रोजन ईंधन रिसाव के कारण इसे टालना पड़ा।

तेल की ऊंची कीमतों से परेशान देश अपना तेल स्वयं हासिल करें : ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि तेल की ऊंची कीमतों से परेशान देश अपने तेल का इंतजाम स्वयं करें क्योंकि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन सहयोगियों के प्रति अपनी निराशा जतायी जोकि महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलने में अमेरिका की मदद करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने लिखा, ‘‘अपने तेल का स्वयं इंतजाम करें।’’ उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे देशों को अमेरिका से खरीद करनी चाहिए क्योंकि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में तेल है।

ट्रंप की मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में ये टिप्पणी ऐसे समय आई जब अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत चार डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

निशानेबाज

दूजों का घर चले फूंकने,
खुद का हाथ जला बैठे।
छलने चले दूसरों को जो,
किस्मत स्वयं छला बैठे।
आँच नहीं जिनके चूल्हे में,
अपनी दाल गला बैठे।
जिनके नहीं निशाने पक्के,
वे भी तीर चला बैठे।।

जापान ने तैनात कीं लंबी दूरी की मिसाइलें

टोक्यो/एपी। जापान की लंबी दूरी की मिसाइलों को देश के दक्षिण-पश्चिमी सेना शिविर में तैनात किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जापान का यह कदम अपनी आक्रमक क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में उठाए जा रहे प्रयास का हिस्सा है। यह कदम जापान की स्वयं की रक्षा के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता को दर्शाता है।

अशांति का सामना कर रही दुनिया के लिए सम्राट संप्रति संग्रहालय का संदेश जरूरी: प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि गुजरात में नवनिर्मित सम्राट संप्रति संग्रहालय ऐसे समय में शांति और अहिंसा का सशक्त संदेश देता है जब दुनिया अस्थिरता और अशांति की आग में जल रही है।''

वर्तमान वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि संग्रहालय की विरासत और संदेश न केवल भारत के लिए बल्कि मानवता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

महावीर जयंती के अवसर पर गांधीनगर के पास कोबा गांव में श्री महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में स्थित संग्रहालय का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा, हम पिछली सरकारों की गलतियों को सुधार रहे हैं, जो बहुमूल्य पांडुलिपियों को संरक्षित करने में विफल रहीं। उन्होंने कहा, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां दुनिया अस्थिरता और अशांति की आग में झुलस रही है, इस संग्रहालय की विरासत और संदेश का बहुत महत्व है।'' उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत की विविधता और एकता की मूल शक्ति को दर्शाता है, जिसमें वेद, पुराण, आयुर्वेद, योग और अन्य दार्शनिक धाराओं को एक साथ लाया गया है। उन्होंने कहा, ''ऐसा सिर्फ भारत में ही संभव है।''

श्री महावीर जैन आराधना केंद्र में स्थित इस संग्रहालय का नाम सम्राट संप्रति महाराज (224-215 ईसा पूर्व) के नाम पर रखा गया है, जो सम्राट अशोक के वंशज और मौर्य वंश के एक शासक थे, जिन्होंने जैन धर्म और अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार-प्रसार किया।

संग्रहालय के पीछे की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्राट संप्रति दर्शन और शासन के बीच की कड़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, सम्राट संप्रति मात्र एक ऐतिहासिक राजा का नाम नहीं हैं। वे भारत के दर्शन को उसके व्यवहार से जोड़ने वाले सेतु का काम करते हैं। विरासत के संरक्षण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि अतीत में भारत ने ज्ञान का एक विशाल भंडार खो दिया था, जब तक्षशिला और नालंदा जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों को विदेशी आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि आक्रमणकारियों ने बहुमूल्य पांडुलिपियों को जला दिया, जिससे मानवता की एक विशाल विरासत नष्ट हो गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाद के वर्षों में, लोगों ने जो भी बची थीं, उन पांडुलिपियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपकर उन्हें संरक्षित किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद, पूर्ववर्ती सरकारों ने इस तरह के ज्ञान को संरक्षित करने की जिम्मेदारी को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद, यह एक राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए थी। अफसोस की बात है कि औपनिवेशिक मानसिकता के कारण, इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।''

उनका इशारा 2014 से पहले की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों की ओर था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके प्राचीन पांडुलिपियों को संरक्षित और डिजिटाइज़ करने के लिए 'ज्ञान भारतम मिशन' शुरू किया है। संप्रति संग्रहालय में सदियों पुरानी दुर्लभ जैन कलाकृतियां और पारंपरिक विरासत वस्तुएं हैं, जिनमें जटिल रूप से गढ़ी गई पत्थर और धातु की मूर्तियां, लघु चित्र, चांदी के रथ, सिक्के और प्राचीन पांडुलिपियां शामिल हैं। इस संग्रहालय में कई विशाल हॉल हैं जिनमें 2,000 से अधिक वस्तुएं रखी गई हैं और यह संग्रहालय आगंतुकों को जैन धर्म के विकास और इसके गहन सांस्कृतिक प्रभाव के बारे में कालानुक्रम आधारित समझ प्रदान करता है।

जम्मू-कश्मीर : सेना ने बारामूला स्कूल के छात्रावास में फंसे 34 लोगों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में भारी बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने से एक स्कूल के छात्रावास में फंसे 30 छात्रों और चार शिक्षकों समेत कुल 34 लोगों को सेना ने मंगलवार को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार रफियाबाद (बारामूला) के वाटरगाम क्षेत्र में लगातार और तेज बारिश के चलते एक नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे स्थानीय स्कूल के छात्रावास में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए और वहां मौजूद 30 छात्र तथा चार शिक्षक फंस गए। उनके सुरक्षित बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा था।

स्थानीय लोगों ने पास में तैनात सेना की इकाई से मदद मांगी, जिसके बाद तुरंत मानवीय सहायता अभियान शुरू किया गया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और खतरनाक जलस्तर के बावजूद सेना के बचाव दल ने सभी 34 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

सेना ने बचाए गए बच्चों और कर्मचारियों को चिकित्सा देखभाल और जलपान सहित आवश्यक सहायता प्रदान की। इस अभियान में पुलिस, जिला प्रशासन और स्थानीय युवाओं ने भी सेना का सहयोग किया।

वाहनों के प्रवेश कर में बढ़ोतरी के खिलाफ भाजपा ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले यहां सदन के बाहर प्रदर्शन किया और अन्य राज्यों से प्रवेश करने वाले वाहनों के 'टोल टैक्स' में बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की।

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रवेश कर में बढ़ोतरी ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लोगों के बीच तनाव पैदा कर दिया है और खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। उन्होंने आगाह किया कि यदि हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस बढ़ोतरी को तुरंत वापस नहीं लिया, तो पंजाब सीमा के प्रवेश स्थलों पर, राज्य के पंजीकरण नंबर वाले वाहनों को रोका जा सकता है, जिससे लोगों को असुविधा होगी और कानून व्यवस्था प्रभावित होगी। ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ''मनमाने'' फैसले ले रहे हैं। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने विधानसभा में व्यवस्था के प्रश्न के माध्यम से इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि मंगलवार मध्य रात्रि से प्रवेश कर की नई दरें लागू होने के बाद बुधवार से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।

महावीर जन्मकल्याणक पर मद्दूर में आयोजित हुए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या/दक्षिण भारत । शहर के मद्दूर क्षेत्र में प्रभु महावीर जन्मकल्याणक का 25वां वार्षिक समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। मद्दूर जैन श्वेताम्बर संघ एवं रांका परिवार के सौजन्य से आयोजित इस समारोह में अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। सुबह भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिरों की विशेष सजावट कर भगवान महावीर की पूजा की गई। धर्मीचन्द रांका परिवार ने सेवा दी। समारोह के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने भगवान महावीर के बताए हुए सत्य, अहिंसा और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

सम्यक दर्शन साधना का सोपान है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में नवपद आयंबिल ओली तप आराधना के सातवें दिन व भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर मंगलवार को प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि सारे तत्वों, धर्मों का सार सम्यक दर्शन है। प्रतिक्रमण के पाठ में भी यही बताया गया है कि हमारे वंदनीय पूजनीय अरिहंत और सिद्ध भगवान है। संसार में दूसरे देव हो सकते हैं, परन्तु अरिहंत और सिद्ध देवाधिदेव ही हमारे परम उच्च आदर्श और वंदनीय हैं। देव, गुरु धर्म तत्व तीन ये महान हैं। इनको पहचानने वाला सच्चा बुद्धिमान साधक है। सम्यक दर्शन साधना का मूल आधार भगवान महावीर ने बतलाया है। मुनिश्री ने भगवान महावीर जन्म कल्याणक दिवस पर कहा कि भगवान महावीर के सिध्दांतों पर चल कर ही संपूर्ण विश्व में सुख, शांति, समृद्धि संभव है। मुनिश्री ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी मिलकर भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अनेकान्तवाद और मैत्री, करुणा दया के अमर संदेशों को संपूर्ण विश्व जगत में जन जन तक पहुंचाए। भगवान महावीर ने क्षमा, करुणा के माध्यम से एक महान आदर्श स्थापित किया। आराधना केन्द्र में करीब 230 आयंबिल ओली तप गतिमान है। आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने संचालन किया।

उत्तराखंड में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की गोलीबारी में मौत होने की घटना का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

देहरादून के राजपुर क्षेत्र में सोमवार को दो कार में सवार लोगों के बीच कथित तौर पर विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में सुबह की सैर पर निकले सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर वीके जोशी की मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक नाइट क्लब का मालिक भी शामिल है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''देहरादून में मॉर्निंग वॉक पर निकले एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर वी के जोशी जी की दिनदहाड़े निर्मम हत्या साफ बताती है कि उत्तराखंड की कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।'' उन्होंने दावा किया कि सरहद पर देश की रक्षा में जीवन समर्पित करने वाले लोग आज अपने शहर में ही असुरक्षित हैं तथा आम नागरिक और कई समुदाय डर कर जीने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''भाजपा के राज में सिर्फ़ अपराधी बेखौफ और महफ़ूज़ हैं। कभी शांति और सुरक्षा की पहचान रहा हमारा उत्तराखंड, आज भाजपा के ग़ैर-जिम्मेदार नेतृत्व में हिंसा, हत्या और भय के साये में सिमट कर रह गया है।''

छत्तीसगढ़ हुआ नक्सल-मुक्त, राज्य के लिए है यह ऐतिहासिक दिन: विष्णु देव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को कहा कि आखिरकार नक्सलवाद को खत्म किया जा रहा है तथा 31 मार्च की तारीख राज्य के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए साय ने आरोप लगाया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान, पार्टी नेता राहुल गांधी ने कई जगहों पर नक्सलियों के साथ मंच साझा किया था।

साय ने यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, आज 31 मार्च का दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत ऐतिहासिक दिन है। आज छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। इसके लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद। यह नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास में बहुत बड़ा बाधक था । केंद्रीय गृहमंत्री ने संकल्प लिया था कि 31 मार्च 2026 तक इसको समाप्त करना है और उनका संकल्प पूरा हुआ है। अब बस्तर क्षेत्र बहुत तेज़ी से विकास करेगा जो 40 वर्षों से विकास से अछूता था। अमित शाह के कल लोकसभा में दिए गए बयान के बारे में पूछे जाने पर कि जब राहुल गांधी ने अपनी यात्रा शुरू की, तो कई वामपंथी इसमें शामिल हो गए थे, साय ने कहा, ''राहुल गांधी ने देश जोड़ो यात्रा निकाली थी लेकिन उस दौरान उन्होंने कई जगहों पर नक्सलियों के साथ मुलाकात की।

वर्षीतप पारणा महोत्सव आमंत्रण पत्रिका आलेखन समारोह संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय एलएनपुरम, श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी समणी सेंटर में एकांतर वर्षीतप आराधकों के पारणा की व्यवस्था संचालित करने वाली श्रेयांश पारणा समिति द्वारा आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में 20 अप्रैल को पैलेस ग्राउंड्स स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में आयोजित अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका आलेखन समारोह स्थानक भवन राजाजीनगर में संपन्न हुआ। संतों से मंगलपाठ श्रवण कर समिति सदस्यगणों ने अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव आमंत्रण पत्रिका का आलेखन किया। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल एवं सहचेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने सभी का स्वागत किया।

समिति के प्रवक्ता जेके महावीरचंद चोरड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पारणा महोत्सव में 375 वर्षीतप आराधक तपस्वी शामिल होंगे जो कि अपने आप में रिकार्ड होगा। इस अवसर पर अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे ।

भारतीय वायु सेना को 1,950 करोड़ रुपए के सौदे में दो 'माउंटेन रडार' मिलेंगे

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय वायु सेना के लिए दो माउंटेन रडार (पहाड़ों पर लगने वाले रडार) और उनसे जुड़े बुनियादी ढांचे की खरीद के लिए सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ 1,950 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने कहा कि इन रडार को लगाने और चालू करने से देश की हवाई सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा मज़बूत होगी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस खरीद से विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए दो माउंटेन रडार, उनसे जुड़े उपकरणों और ज़रूरी बुनियादी ढांचे की खरीद के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ लगभग 1,950 करोड़ रुपए के एक बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।''

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में वीवी पुरम के संभवनाथ जैन मंडल के सदस्यों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंगलवार को आनेकल तालुक के सिपानी सेवा सदन आश्रम में निवासित 500 जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया। इस सेवा कार्य में अध्यक्ष संतोष परमार, उपाध्यक्ष फुटरमल दांतेवाड़िया, पूर्व अध्यक्ष इंदरचंद नाहर एवं यशपाल नाहर आदि ने सेवाएं दी।

टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस भाजपा में शामिल, इसे 'जिम्मेदारी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले मंगलवार को यहां भाजपा में शामिल हुए टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने कहा कि यह ''महज औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है'' और राष्ट्र की सेवा करने का एक बड़ा अवसर भी है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में उनका स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने उम्मीद जताई कि पार्टी की ओर से पेस अब ''अब राजनीति में बड़ी पारी खेलेंगे।''

पेस (52) रीजीजू और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए।

टेनिस खिलाड़ी ने हाल में कोलकाता में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं।

हालांकि, पेस का राजनीति में यह पहला पदार्पण नहीं है। वह 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे और 2022 में गोवा चुनावों के दौरान पार्टी के लिए प्रचार किया था। उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था।

रीजीजू ने कहा कि यह ''गर्व का क्षण'' है कि खेल जगत के ऐसे ''दिग्गज खिलाड़ी और प्रतिष्ठित हस्ती'' राष्ट्र की सेवा के व्यापक उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आज लिएंडर पेस का भारतीय जनता पार्टी परिवार में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 12 वर्षों में खेल क्षेत्र में जो काम किया है, उससे प्रेरित और प्रभावित होकर वह (पेस) औपचारिक रूप से पार्टी के सदस्य के तौर पर हमारे साथ जुड़ गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह वाकई खुशी का क्षण है। मुझे विश्वास है कि अब वह भाजपा की ओर से राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएंगे। अपने अनुभव, ज्ञान और प्रतिबद्धता से वह भारत में खेल को और गति देंगे और देश की सेवा करेंगे।''

दावणगेरे दक्षिण की सीट कांग्रेस उम्मीदवार बड़े अंतर से जीतेगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने भरोसा जताया, इस इलाके के लोग स्वर्गीय शमनूर शिवशंकरप्पा की सेवा और योगदान को याद कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार समर्थ शमनूर मल्लिकार्जुन इस उपचुनाव में बड़े अंतर से जीतेंगे। शिवकुमार ने मंगलवार को दावणगेरे में मीडिया के सवालों का जवाब दिया।

दोनों चुनाव क्षेत्रों में उपचुनाव प्रचार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री ने उपचुनाव वाले क्षेत्रों में प्रचार शुरू कर दिया है। हमारे राज्य और बाहरी राज्यों के जिन नेताओं को पार्टी ने प्रचार की ज़िम्मेदारी दी है, वे वहां प्रचार में लगे हुए हैं। मैं असम में दो दिन प्रचार करने के बाद यहां आया हूं। आज हम दावणगेरे में और कल बागलकोट में प्रचार करेंगे। फिर हम दावणगेरे और बागलकोट में फिर से प्रचार करेंगे। इस बीच, मैं दो दिन केरल और एक दिन असम में प्रचार करने जाऊंगा। पार्टी सबको साथ लेकर चल रही है

दावणगेरे में हमने सभी कन्फ्यूजन दूर कर दिए हैं, सब मिलकर जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी सभी समाजों, सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि शमनूर शिवशंकरप्पा राष्ट्रीय वीरशैव लिंगायत महासभा के अध्यक्ष थे। उनका योगदान बहुत बड़ा है। मैंने यहां एक अलग सर्वे किया और लोग कोविड के समय में शमनूर शिवशंकरप्पा द्वारा दी गई मदद और सहयोग को याद कर रहे हैं। वे शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा दी गई सेवा को याद कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, शिवशंकरप्पा ही वो हैं जिनकी वजह से हज़ारों लोग बाहर से आकर यहां पढ़ाई कर रहे हैं। यह ज़िला उनके लिए मशहूर है। लोगों ने उनके परिवार को ताकत देने का फ़ैसला किया है। 79 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे कांग्रेस कैंडिडेट को चुनेंगे, जो बहुत खुशी की बात है। हमारी गारंटी चुनाव क्षेत्र के हर दरवाज़े तक पहुंच गई है। गृहलक्ष्मी स्कीम 59 हज़ार गरीब महिलाओं तक पहुंच रही है। 1.40 लाख लोगों को अन्न भाग्य स्कीम मिल रही है, 59 हज़ार घरों को मुफ़्त बिजली मिल रही है। महिलाएं बसों में मुफ़्त सफ़र कर रही हैं।

उन्होंने कहा, गैस, पेट्रोल, डीज़ल, लोहा, सीमेंट जैसी ज़रूरी चीज़ों की कीमतें बढ़ रही हैं। वे बढ़ती रहेंगी। कांग्रेस सरकार ने लोगों को इस महंगाई से बचाने के लिए गारंटी स्कीम लागू की हैं। हमारी स्कीम की अहमियत अब समझ में आ रही है। हम माइनॉरिटीज़ की रक्षा और उन्हें मज़बूत बना रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या मंत्री ज़मीर अहमद कैंपेन के लिए आएंगे, तो उन्होंने कहा, पार्टी ने ज़मीर को केरल चुनाव अभियान की ज़िम्मेदारी दी है, और वह इसे पूरा करेंगे। हमने दूसरे अल्पसंख्यक नेताओं को इस चुनाव अभियान की ज़िम्मेदारी दी है।

जब पूछा गया कि क्या ज़मीर नाखुश हैं, तो उन्होंने बताया, पार्टी एक आदमी पर नहीं चलती। यह डी.के. शिवकुमार पर नहीं चलती, यह सिद्दरामय्या पर नहीं चलती, यह जमीर पर नहीं चलती। पार्टी आइडियोलॉजी और कार्यकर्ताओं पर चलती है। हम शुरू से ही चुनाव में काम कर रहे हैं। भाजपा माइनॉरिटीज़ के लिए हमारे योगदान की मुस्लिम तुष्टिकरण कहकर बुराई कर रही है। वे बुराई करते हैं कि यह मुसलमानों की पार्टी है।

माइनॉरिटीज़ की रक्षा करना हमारा फ़र्ज़ है। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने इस हिस्से से विधान परिषद के सदस्य की सीट जब्बार को दी है। हमने शिगगांव चुनाव क्षेत्र को भी एक सीट दी है, और कॉर्पोरेशन बोर्ड के चेयरमैन के 16 पद अल्पसंख्यकों को दिए हैं।

कांग्रेस के पास प्रचंड बहुमत है, उपचुनाव जीतने पर वह और भ्रष्टाचार करेगी : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री नेता बी एस येडीयुरप्पा ने कर्नाटक में विधानसभा उपचुनाव वाले दो निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं से मंगलवार को यह कहते हुए कांग्रेस को हराने की अपील की कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास 'प्रचंड बहुमत' है एवं उपचुनाव में जीत उसे सत्ता के नशे में चूर होकर और अधिक भ्रष्टाचार करने का मौका देगी। बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में नौ अप्रैल को उपचुनाव होंगे। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एच वाई मेती और शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के बाद ये उपचुनाव कराये जा रहे हैं।

येडीयुरप्पा ने कहा, आज और कल, मैं दावणगेरे में अपने (भाजपा) उम्मीदवार श्रीनिवास के लिए प्रचार करूंगा। पांच और छह अप्रैल को, मैं बागलकोट में अपने उम्मीदवार चरंतिमठ के लिए प्रचार करूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे उम्मीदवार दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में भारी अंतर से जीतेंगे। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि कर्नाटक में भ्रष्टाचार चरम पर है और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या जनकल्याण को भूल चुके हैं एवं राज्य में एक ऐसा प्रशासन चला रहे हैं जो 'तुगलक दरबार' जैसा है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। अगर वह उपचुनाव में जीती, तो सत्ता के नशे में चूर होकर उसे और अधिक भ्रष्टाचार करने का मौका मिल जाएगा।

इसलिए मैं दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि वे भाजपा उम्मीदवारों को दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दिलाकर कांग्रेस को सबक सिखाएं।

भाजपा ने बागलकोट से पूर्व विधायक वीरभद्रय्या चरंतिमठ को अपना उम्मीदवार बनाया है, जो 2023 के चुनाव में हार गए थे। पार्टी ने दावणगेरे दक्षिण से श्रीनिवास टी दासकारियप्पा को मैदान में उतारा है। भाजपा से निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा बागलकोट में पार्टी उम्मीदवार चरंतिमठ के लिए प्रचार करने की इच्छा जताए जाने के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जो भी आए, यह एक अवसर है। मैं इसका स्वागत करता हूं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों द्वारा कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने हेतु दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में डेरा डाले रहने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इससे हार का डर साफ झलकता है। उन्होंने कहा, मैं जनता से इन्हें सबक सिखाने का अनुरोध करता हूं।

जब उनसे राज्य सरकार के उस निर्णय के बारे में पूछा गया जिसमें इस शैक्षणिक वर्ष से एसएसएलसी (10वीं कक्षा) परीक्षा में हिंदी जैसी तीसरी भाषाओं के अंकों को एक ऐसी ग्रेडिंग प्रणाली से बदला जा रहा है जिससे विद्यार्थी के समग्र परिणाम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो येडीयुरप्पा ने कहा कि हिंदी सीखने से कन्नड़वासी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने अनुरोध किया कि इस मामले में कोई भ्रम न पैदा किया जाए।

वर्दी पर लगा कैमरा बंद रखने और पैसे वसूलने के आरोप में तीन यातायात पुलिसकर्मी निलंबित

बेंगलूरु। बेंगलूरु के हाईग्राउंड्स ट्रैफिक थाने से संबद्ध तीन यातायात पुलिसकर्मियों को नियम उल्लंघन और अवैध वसूली के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, इन पुलिसकर्मियों ने जानबूझकर अपने वर्दी पर लगे कैमरे बंद रखे और वाहन चालकों से नियम उल्लंघन के नाम पर पैसे वसूले। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोई स्पष्ट यातायात उल्लंघन न होने के बावजूद उन्होंने वाहन चालकों से पैसे लिए। इस संबंध में लोगों की कई शिकायतों के आधार पर जांच की गई, जिसके बाद पुलिस उपायुक्त (यातायात पश्चिम) ने एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) और दो कांस्टेबल सहित तीन यातायात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। उन्हें उत्पीड़न, अनधिकृत वाहन जांच और जुर्माने के नाम पर पैसे वसूलने की शिकायतें मिली थीं। अधिकारियों ने कहा कि तीनों कर्मियों ने नियमों का पालन नहीं किया, जो प्रवर्तन के दौरान वर्दी पर लगे कैमरे को सक्रिय रखने का निर्देश देते हैं।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बार-बार तमिलनाडु आते हैं, लेकिन यहां के लिए धन नहीं देते : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मपुरी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 'बार-बार' राज्य के दौरों पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि वे राज्य सरकार की ओर से मांगी जा रही राशि आवंटित करने से इनकार करते रहे हैं। उदयनिधि ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं ने राज्य के लिए कोई बड़ी परियोजना नहीं दी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि 'वे तमिलनाडु से भाजपा को बाहर निकाल दें'।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि ने हरूर क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के ए षणमुगम के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह लगातार तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं, लेकिन वे हमें न तो कोई परियोजना दे रहे हैं और न ही वह धनराशि जो हम मांग रहे हैं। भाजपा को तमिलनाडु से बाहर कर देना चाहिए।''उदयनिधि ने कहा कि हालांकि द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को 2021 के चुनाव में हरूर सीट पर (अन्नाद्रमुक से) हार मिली थी, लेकिन पार्टी ने निर्वाचन क्षेत्र में विकास की अनदेखी नहीं की और 400 करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाएं, सरकारी अस्पतालों में नए भवन, पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें बनवाई, मंदिर शहर का विकास सुनिश्चित किया और निर्वाचन क्षेत्र में छह करोड़ रुपये की लागत से आईटीआई की स्थापना की।

द्रमुक की युवा इकाई के नेता ने कहा, ''पिछली बार हम हरूर सीट हार गए थे। हमें वही गलती नहीं दोहरानी चाहिए। इस बार हमें बड़ी जीत सुनिश्चित करनी होगी। इसलिए, निर्वाचन क्षेत्र में और अधिक विकास के लिए षनमुगम को विधानसभा भेजें।'' पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने कहा, ''तमिलनाडु विकास में अग्रणी है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दोहरे अंकों की आर्थिक वृद्धि हासिल कर रहा है। केंद्र सरकार का समर्थन न मिलने के बावजूद स्टालिन ही विकास को गति दे रहे हैं। क्या वे (केंद्र) हमें वह धनराशि या परियोजनाएं दे रहे हैं जिनकी हम मांग कर रहे हैं? लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जनता के हित में काम कर रहे हैं।''

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दंपति ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां एक दुखद घटना में एक पति-पत्नी की संदिग्ध आत्महत्या ने सबको चौंका दिया है। कोथानूर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले दंपति ने अपने घर में जान दे दी। मृतकों की पहचान भानु चंदिर रेड्डी उर्फ बाबू रेड्डी और उनकी पत्नी शाज़िया के रूप में हुई है। दोनों ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे और निजी कंपनियों में काम करते थे। वे मूल रूप से तेलंगाना के रहने वाले थे। पुलिस के शुरुआती बयान के अनुसार, सबसे पहले पति भानु चंदिर रेड्डी ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब उनका शव मिला, तब उनकी पत्नी शाज़िया ने अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। यह घटना काफी संदिग्ध लग रही है, क्योंकि दोनों की मौत एक के बाद एक हुई।

पुलिस अब पूरी घटना की जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि कपल की शादी को लगभग नौ साल हो चुके थे। इससे पहले वे लिव-इन रिलेशनशिप में भी रह चुके थे। शादी के बाद से ही उनके बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। वहीं, सूत्रों का कहना है कि शादीशुदा जीवन में चल रहे मनमुटाव की वजह से उन्होंने यह कदम उठाया हो सकता है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि पति को हो रही किसी स्वास्थ्य समस्या का भी इस घटना में कोई रोल तो नहीं था। दोनों पति-पत्नी सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से जुड़े थे और बेंगलूरु में अपनी नौकरी के कारण रहते थे। वे काफी समय से यहां बस गए थे। पड़ोसियों और परिचितों के अनुसार, बाहर से वे सामान्य कपल लगते थे, लेकिन घरेलू जीवन में तनाव बना रहता था। पुलिस ने इस मामले में आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। वे आसपास के लोगों से पूछताछ कर रहे हैं और किसी भी संभावित कारण को खंगाल रहे हैं। कोथानूर पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद सही कारण सामने आएंगे। फिलहाल परिवार के सदस्यों को सूचना दे दी गई है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू बेंगलूरु पहुंचीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मंगलवार रात इंडियन एयर फ़ोर्स के एक खास विमान से बेंगलूरु के एचएएल एयरपोर्ट पहुंचीं। वे 1 अप्रैल, को तुमकुर के श्री सिद्धगंगा मठ में आयोजित डॉ. श्री श्री शिवकुमार महास्वामी के 199वें जयंती समारोह और गुरु वंदना कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए यहां आईं।

हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, ट्रांसपोर्ट और एक्साइज मंत्री रामलिंगा रेड्डी, सरकार की मुख्यसचिव डॉ. शालिनी रजनीश, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी गौरव गुप्ता, कर्नाटक के पुलिस डायरेक्टर जनरल डॉ. एम.ए. सलीम, बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह, बेंगलूरु सिटी उपायुक्त जगदीश जी., और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद थे।

महिला यात्री को अनुचित तरीके से छूने के आरोप में एक बाइक टैक्सी चालक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने 25 वर्षीय महिला यात्री को पूरी यात्रा के दौरान गलत तरीके से छूने के आरोप में एक बाइक टैक्सी चालक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह घटना इंदिरा नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद खिजर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने बीटीएम लेआउट से इंदिरा नगर तक बाइक की सवारी बुक की थी। आरोप है कि बाइक टैक्सी चालक ने यात्रा के दौरान बार-बार उसे गलत तरीके से छुआ। उसने ड्राइवर के दुर्व्यवहार का विरोध भी किया लेकिन ड्राइवर लगातार उसे गलत तरीके से छूता रहा। इसके बाद युवती ने इंदिरा नगर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि क्या आरोपी अन्य मामलों में भी संलिप्त है।

अभियुक्त के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना ने लाखों महिलाओं, विशेषकर बेंगलूरु में चौबीसों घंटे बाइक टैक्सी सेवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

इंस्टाग्राम पर घटना का विवरण देते हुए महिला ने बताया कि यह घटना तब घटी, जब वह बेंगलूरु के चर्च स्ट्रीट स्थित अपने पेइंग गेस्ट हाउस लौट रही थी। उसने लिखा, राइडिंग के दौरान चालक ने मेरे पैर पकड़ने की कोशिश की। यह इतनी अचानक हुआ कि मैं समझ ही नहीं पाई, रिकॉर्ड करना तो दूर की बात है। 16 सितंबर, 2025 को बेंगलूरु में एक महिला यात्री के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने और उसे गलत तरीके से छूने के आरोप में रैपिडो ऑटो-रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। यह घटना तब घटी, जब महिला ने ऐप के माध्यम से दयानंद सागर कॉलेज के पास कुमारस्वामी लेआउट से अपने घर जाने के लिए ऑटो बुक किया था।

बेंगलूरु के विल्सन गार्डन पुलिस स्टेशन ने 8 नवंबर, 2025 को एक बाइक टैक्सी चालक को सवारी के दौरान एक महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया। यह घटना तब सामने आई, जब पीड़िता ने घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से पहले वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

टीवीके के आधव अर्जुन के पास 197 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता सह राजनेता विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधव अर्जुन ने 197.52 करोड़ रुपये की कुल चल और अचल संपत्ति घोषित की है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्र के साथ संलग्न हलफनामे में यह जानकारी दी गई है। अर्जुन चेन्नई के विल्लीवाक्कम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं और उन्होंने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। हलफनामे के अनुसार, अर्जुन ने अपने नाम पर 180.03 करोड़ रुपये की चल संपत्ति घोषित की है, जबकि उनकी पत्नी डेजी अर्जुन के नाम पर 162.14 करोड़ रुपये की संपत्ति है। वर्ष 2024-25 के लिए अर्जुन की कुल आय 11.10 करोड़ रुपये और उनकी पत्नी की आय 6.85 करोड़ रुपये बताई गई है। अर्जुन के पास 2.29 करोड़ रुपये का सोना है, जबकि उनकी पत्नी के पास 3.01 करोड़ रुपये का सोना है। इसी के साथ डेजी के पास 60.27 लाख रुपये की चांदी और

6.16 करोड़ रुपये के हीरे के आभूषण हैं। अर्जुन ने विभिन्न कंपनियों में 2.23 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उनके पास चार वाहन भी हैं, जिनमें 63,332 रुपये की एक स्पोर्ट्स साइकिल शामिल है। अचल संपत्ति के रूप में अर्जुन के पास कोई कृषि भूमि नहीं है लेकिन उनके पास 17.49 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय संपत्ति है। वहीं, डेजी अर्जुन के पास 56.43 करोड़ रुपये की स्व-अर्जित संपत्ति और 26.78 करोड़ रुपये की विरासत में मिली संपत्ति है। हलफनामे के अनुसार, डेजी अर्जुन ने 26.26 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है, जबकि आधव अर्जुन पर 1.88 करोड़ रुपये की देनदारी है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में टीवीके पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही है।

तमिलनाडु में महिलाएं, पुलिस सुरक्षित नहीं : पलानीस्वामी

शिवकाशी। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ए. के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मंगलवार को द्रमुक सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि राज्य में महिलाएं और पुलिस सुरक्षित नहीं हैं। पलानीस्वामी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव संपन्न होने पर अन्नाद्रमुक की सरकार बनने के तुरंत बाद, पार्टी तीन महीने के भीतर गांजा तस्करी को जड़ से खत्म कर देगी।

अन्नाद्रमुक प्रमुख ने जिले में पटाखा और माचिस उद्योग को बढ़ावा देने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने द्रमुक सरकार पर कावेरी-गुंडार नदी को जोड़ने की परियोजना को रोके रखने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर इसे कार्यान्वित किया जाएगा।

रवानगी

राजस्थान के देवस्थान मंत्री जोरा राम कुमावत मंगलवार, 31 मार्च 2026 को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत रामेश्वरम जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से लोकल टू ग्लोबल हो रहे स्थानीय उत्पाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्थानीय विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा रहा है। यह नीति स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाते हुए प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए हर गाँव, तहसील और जिले के समग्र स्थानीय विकास पर जोर दिया है। उनके अनुसार वोकल फॉर लोकल, सबका साथ-सबका विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। ओडीओपी नीति के माध्यम से लोकल से ग्लोबल का सपना साकार हो रहा है और राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

इस नीति के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं। इस नीति के माध्यम से गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है तथा उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नीति के अंतर्गत उद्योगों को मार्जिन मनी अनुदान, एडवांस टेक्नोलोजी और सॉफ्टवेयर खरीदने, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने पर पुनर्भरण सहायता प्राप्त होगी।

राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में इस नीति के तहत नए लघु एवं सूक्ष्म ओडीओपी उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) तक मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के तकनीकी उन्नयन के लिए नवीनतम तकनीक एवं सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 5 लाख रुपये) की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। एक जिला-एक उत्पाद नीति में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी देय है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाती है।

मिट्टी के नीचे दबने से तीन बच्चों की मौतः पुलिस

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में तीन बच्चों की मिट्टी के नीचे दब जाने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चे सुरंग बनाकर खेल रहे थे और अचानक ऊपर की मिट्टी धंस गई। नेछवा के थानाधिकारी कैलाश चंद ने बताया कि गनेड़ी गांव में सोमवार दोपहर जब चार बच्चे खेत में मिट्टी के टीले के नीचे सुरंग बनाकर खेल रहे थे, उसी समय अचानक ऊपर का हिस्सा धंस गया एवं उसके नीचे तीन बच्चे दब गए। चंद के अनुसार कृष्ण नामक एक बच्चा सुरंग के बाहर था तथा उसके चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और फंसे बच्चों को निकाला। थानाधिकारी के मुताबिक लेकिन तब तक तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान होलश मेघवाल (10), गौतम सैनी (14) और दीपेश नायक (12) के रूप में हुई है।

राजस्थान में कई जगह आंधी, बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते बीते चौबीस घंटे में राजस्थान में कई जगह आंधी चली और बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य के कुछ भागों में आंधी-बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक बारिश कोटा के लाडपुरा में 34 मिलीमीटर तथा नागौर के मूंडवा में 24 मिलीमीटर हुई। इसके अनुसार, आज मंगलवार को गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिले, शेखावाटी क्षेत्र तथा जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं एक अप्रैल को उदयपुर, कोटा संभाग में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है जबकि शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा।

सीमावर्ती इलाके में तीन नई रेल लाइनों के लिए काम जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्रालय ने राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में तीन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर काम शुरू किया। अधिकारियों का कहना है कि इन परियोजनाओं के मूर्त रूप लेने से इस रेगिस्तानी राज्य के सीमावर्ती इलाकों में न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि यहां आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को और सुदृढ़ करने के लिए राजस्थान में बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर क्षेत्रों में नयी रेल लाइनें बिछाने के प्रस्तावों पर काम चल रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार प्रस्तावित तीन रेल लाइनों में अनूपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलड़ी तथा खाजूवाला-जैसलमेर रेल लाइन शामिल है। पाकिस्तान की सीमा से सटे अनूपगढ़ कस्बे और ऐतिहासिक बीकानेर शहर को रेल संपर्क से जोड़ने के लिए 187 किलोमीटर लंबी नयी रेल लाइन के 2277 करोड़ रुपये के काम के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बन चुकी है और यह मंजूरी के आगामी चरण में है।

इसी तरह सीमावर्ती इलाके में जैसलमेर-भाभर/भीलड़ी वाया बाड़मेर नयी रेल लाइन की लंबाई 380 किलोमीटर होगी। जबकि खाजूवाला-जैसलमेर प्रस्तावित रेल लाइन की लंबाई 260 किलोमीटर होगी। इन दोनों के लिए 'फाइनल लोकेशन सर्वे' का काम चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर व गंगानगर के सीमावर्ती इलाके अब भी आवागमन के लिए मुख्य रूप से सड़क मार्ग पर निर्भर हैं। यहां रेल लाइन बिछाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। अमित सुदर्शन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,इन प्रस्तावित परियोजनाओं के पूरा होने के बाद दूरदराज के क्षेत्रों में रेलवे नेटवर्क और भी मजबूत होगा। राज्य के बाकी हिस्सों के साथ-साथ पूरे देश से इनकी कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क का विकास न केवल मौजूदा आर्थिक गतिविधियों को बल देता है, बल्कि नए अवसर भी पैदा करता है जिससे समग्र विकास और प्रगति की गति तेज होती है।

उल्लेखनीय है कि रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले दिनों रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए भी उक्त परियोजनाओं का जिक्र किया था। उन्होंने सीमावर्ती और सामरिक क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित किया। अनूपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलड़ी तथा खाजूवाला-जैसलमेर नई रेल लाइन परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो सैन्य परिवहन और क्षेत्रीय विकास दोनों को बढ़ावा देंगी।

दौसा, करौली के किसानों को दिन में सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध होगी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घोषणा की है कि दौसा और करौली जिलों के किसानों को जल्द ही दिन के समय सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इन दोनों जिलों के दो ब्लॉकों में यह सुविधा शुरू होने के बाद राज्य के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य सरकार ने सभी जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। संशोधित बजट 2024-25 में इसे चरणबद्ध तरीके से 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्तमान में 22 जिलों के कृषि उपभोक्ताओं को दो ब्लॉकों में दिन के समय बिजली मिल रही है। दौसा और करौली को जयपुर डिस्कॉम के तहत शामिल करने के बाद यह संख्या बढ़कर 24 हो जाएगी। फिलहाल जयपुर डिस्कॉम के सात जिलों धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग और भरतपुर में किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली मिल रही है। इसी तरह अजमेर डिस्कॉम के तहत अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, बांसवाड़ा, झुंझुनूं, सीकर, चित्तौड़गढ़ और डूंगरपुर समेत 12 जिले शामिल हैं। वहीं जोधपुर डिस्कॉम के तहत जालौर, सिरोही और पाली ज़िले भी इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

बयान में कहा गया कि हाल के वर्षों में दौसा और करौली में बिजली ढांचे को मजबूत किया गया है। दौसा में 18 नए 33 केवी ग्रिड सबस्टेशन बनाए गए हैं, जबकि करौली में छह सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं। दौसा के 47 सबस्टेशनों में ट्रांसफॉर्मर क्षमता 128.95 मेगावोल्ट-एम्पीयर और करौली के 15 सबस्टेशनों में 49.45 मेगावोल्ट-एम्पीयर तक बढ़ाई गई है। इसके अलावा पीएम-कुसुम योजना के तहत दोनों जिलों में कुल 32 मेगावॉट क्षमता वाले 17 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। कुल 87,801 कृषि उपभोक्ता (दौसा में 52,460 और करौली में 35,341) इस दिन की बिजली आपूर्ति से लाभान्वित होंगे। यह कदम विशेषकर कठिन मौसम में किसानों को देर रात सिंचाई करने की आवश्यकता कम करेगा। साथ ही जंगली जानवरों से होने वाले खतरों से बचाव होगा और किसान अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे।

दिया कुमारी ने आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों को पोर्टफोलियो किट और खेल सामग्री का किया वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय सांभर लेक जयपुर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांभर में आयोजित प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह में आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों का स्वागत किया।

उन्होंने आंगनबाड़ी के बच्चों को पोर्टफोलियो किट (बच्चों के लिए रंग, वॉटर बोतल, खिलौने) आदि प्रदान किये। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोर्टफोलियों खेल सामग्री का वितरण इस उद्देश्य से किया जाता कि बच्चें खेल खेल में सीखे।बच्चों को आंगनबाड़ियों में स्वस्थ सुरक्षित एवं सीखने का माहौल मिल सके।

समारोह में सांभर उपखण्ड अधिकारी ऋषि राज कपिल, उपनिदेशक आईसीडीएस श्रीमती पार्थवी शर्मा, उपनिदेशक महिला अधिकारिता राजेश डोगीवाल, कार्यक्रम प्रभारी आरपीएस सपना मौर्य तथा सीडीपीओ प्रिया कुमावत एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने एक बच्चे के जन्मदिन एवं आंगनबाड़ी में प्रवेश उत्सव पर केक काट कर स्टॉल का अवलोकन किया, जिसमें भामाशाहों से प्राप्त सामग्री एवं खिलौने आदि का वितरण किया गया। स्टॉल में विभिन्न आयामों पर आधारित कॉर्नर्स बनाए गए जिसमें आसपास के वातावरण में उपलब्ध सामग्री से निर्मित सहायक शिक्षण सामग्री तैयार कर प्रदर्शित की गई व बताया गया कि बच्चों को खेल खेल के माध्यम से स्कूल शिक्षा के लिए तैयार किया जा रहा है।

कार्यक्रम में 6 वर्ष पूर्ण करने वाले बच्चों को समग्र प्रमाण पत्र (ईसीसी ईसर्टिफिकेट) दिए गए। साथ ही कार्यक्रम में उन भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय में सहयोग प्रदान किया। भामाशाह द्वारा प्रदान सांभर परियोजना के 3 से 6 वर्ष के पंजीकृत 1 हजार 600 बच्चों के लिए पोर्टफोलियो किट, पानी की बोतल, खिलौने इत्यादि वितरित किए गए। आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपने बाल मनोभाव से देशभक्ति के गानो पर नृत्य प्रस्तुति दी।

उपमुख्यमंत्री ने विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का अवलोकन किया। अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को खेल-खेल में प्रदान की जा रही है शालापूर्व शिक्षा के बारे जानकारी दी गई। दिया कुमारी ने बच्चों क लिए आंगनबाड़ी केंद्र पर तैयार किया जा रहे हैं गर्म पोषाहार के बारे में भी जाना।

डबल इंजन की सरकार प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास के लिए कर रही निरंतर काम : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को जोधपुर के लूणावास खारा में पशु चिकित्सालय सहित 62.50 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास के लिए निरंतर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति सहित सभी वर्गों के कल्याण और उत्थान को समर्पित है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर राजस्थान की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाना है।

विधि मंत्री ने कहा कि प्रदेश के शैक्षणिक उन्नयन के लिए बजट में 69 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो 2023-24 से 35 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये की राशि से विद्यालय आधारभूत संरचना कोष की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि 1 हजार करोड़ रुपये का व्यय कर 400 विद्यालयों को सीएम राइज विद्यालय के रूप में क्रमोन्नत किया जाएगा। पटेल ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना के तहत 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत इस वर्ष 4 हजार करोड़ रुपये का व्यय राज्य कोष से किया जाएगा। इसे आवश्यकता एवं मांग के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि 2 वर्षों में विधानसभा क्षेत्र लूणी में 19 अरब से भी अधिक राशि के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लूणी में 186 लाख रुपये से पशु चिकित्सालयों का निर्माण कराया जा रहा है। विद्यालयों के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीजीडी संस्थाएं प्रतिदिन तीन हजार परिवारों को डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को प्रतिदिन औसतन ढाई हजार से तीन हजार परिवारों तक पाइपलाइन के माध्यम से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है, वहां के परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ना केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय में राज्य में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के शीर्ष स्तर के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ डीपीएनजी संरचना की स्थिति तथा डीपीएनजी सुविधा से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल बैठक में स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो गई है, वहां क्षेत्रवासियों को एलपीजी से पाइपलाइन गैस सुविधा से जोड़ना केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं। साथ ही इन क्षेत्रों की औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को भी पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस कनेक्शन से जोड़ा जाना है।

वी. श्रीनिवास ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को एलपीजी से डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया

जाए। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी की सस्ती दर, 247 सेवा उपलब्धता, बुकिंग की झंझट से मुक्ति, सुरक्षित, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा जैसे लाभों के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग डीपीएनजी सेवाओं से जुड़ सकें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के 17 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

उन्होंने बताया कि सीजीडी संस्थाओं को तीन माह में पीएनजी कनेक्शनों की संख्या एक लाख 25 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने का लक्ष्य दिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा राज्य सरकार स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। बैठक में राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने डीपीएनजी कनेक्शनों की वर्तमान स्थिति एवं भावी कार्यक्रम की जानकारी दी।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और मानवीय मूल्यों से प्रेरित शिक्षा देने का कर रहे प्रयास : दिलावर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर मंगलवार को उदयपुर प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने बड़गांव पंचायत समिति की ग्राम पंचायत वाटी, बड़गांव और बेदला में आईआईएफएल फाउंडेशन द्वारा निर्मित राजकीय विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों, कंप्यूटर लैब सहित अन्य सुविधाओं का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर वाटी में समारोह को संबोधित करते हुए दिलावर ने कहा कि संस्था ने बहुत अच्छा और गुणवत्तापूर्ण कार्य किया है। स्थानीय विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम भी सराहनीय रहा है। उन्होंने दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

उन्होंने बच्चों से कहा कि मेवाड़ की वीर भूमि के महापुरुषों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत शिक्षा मिलें हमारा यह प्रयास है।

आध्यात्मिक विरासत के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं उप्र और मप्र : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को यहां कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश साझा संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के साथ विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

यादव ने मंगलवार को यहां आयोजित 'एमपीयूपी सहयोग सम्मेलन 2026' के दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि यह सम्मेलन भविष्य की आर्थिक, औद्योगिक और पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं को मजबूत आधार देगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के बीच भौगोलिक रिश्ते होने के साथ-साथ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक संबंध रहे हैं तथा दोनों राज्य साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यादव ने कहा कि इस क्रम में आज आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन भविष्य की संभावनाओं को आधार प्रदान करेगा।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री यादव ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान दोनों राज्यों के उद्योगपति, कुटीर, लघु एवं मंझोले उद्योगों के प्रतिनिधि कारीगर और अधिकारी मौजूद थे।

यादव ने बताया कि सम्मेलन में सबसे अहम समझौता काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट के बीच हुआ है। उन्होंने बताया कि इस सहमति का उद्देश्य मंदिर प्रबंधन, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाना है।

नालंदा विवि का पुनरुद्धार गौरव पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार गौरव पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक : मुर्मु

राजगीर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं और कहा कि इस संस्थान से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को मानवता की ''साझा विरासत'' प्राप्त होती है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''यहां से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों को दो चीजें मिलती हैंडिग्री और विरासत। डिग्री जहां उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, वहीं उन्हें मानवता की साझा विरासत भी मिलती है।'' उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी हैं, जो 30 से अधिक देशों से आए हैं।

राष्ट्रपति ने समारोह से पहले पौधारोपण अभियान में भी हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय की 'नेट-जीरो' लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। 'नेट जीरो' उत्सर्जन का मतलब है कि जो जितना कार्बन उत्सर्जन करता है, उतना ही कार्बन खत्म करने की व्यवस्था भी करे। 'नेट जीरो' का मतलब यह नहीं है कि कार्बन का उत्सर्जन शून्य हो जाएगा।

मुर्मू ने कहा, ''यह परिसर 'नेट-जीरो' कैंपस बनने की दिशा में स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उच्च शिक्षण संस्थानों को उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करना चाहिए।''

राष्ट्रपति ने अपने दौरे की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में बने 'विश्व मित्रालय' भवन के उद्घाटन से की। यह अत्याधुनिक भवन लगभग दो हजार लोगों की क्षमता वाला है और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रपति नालंदा विश्वविद्यालय की 'विजिटर' भी हैं। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके गौरवशाली विरासत को आधुनिक स्वरूप में पुनर्स्थापित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बिहार के नालंदा जिले में मंदिर में भगदड़ मचने से आठ श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल, थानाध्यक्ष निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिहारशरीफ/भाषा। बिहार के नालंदा जिले में दीपनगर थानाक्षेत्र के मघड़ा गांव में प्राचीन शीतला माता मंदिर में मंगलवार को भगदड़ मचने से कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के बाद मंदिर परिसर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल नजर आया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। भगदड़ के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बिहारशरीफ के सहायक पुलिस अधीक्षक नूरुल हक ने कहा, मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ के दौरान कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल भी हुए हैं। पुलिस बल और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है।

नालंदा के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शुभम कुमार ने पत्रकारों से कहा कि मंदिर में अत्यधिक भीड़ के कारण यह हादसा हुआ होगा। उन्होंने कहा, इस घटना में आठ श्रद्धालुओं की मौत हुई है और पांच से अधिक लोग घायल हुए हैं।

आरक्षण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बसपा सरकार की जरूरत : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन 'बहुजन सरकार' के बिना संभव नहीं है।

उन्होंने सत्ताधारी सरकारों पर इन प्रावधानों को कमजोर करने का आरोप लगाया। यहां बसपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें आरक्षण को 'अप्रभावी और निष्क्रिय' बना रही हैं। उन्होंने हाशिए के समुदायों से जुड़े संवैधानिक सुरक्षा उपायों को कमजोर किए जाने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ''बहुजन समाज की सरकार के बिना आरक्षण को सही इरादे और नीति के साथ लागू करना असंभव है।'' बसपा के एक बयान के अनुसार, मायावती ने बेरोजगारी और गरीबी जैसे गंभीर मुद्दों को हल करने के बजाय खोखले नारों पर निर्भर रहने के लिए सरकार पर निशाना साधा। उप्र जैसे बड़े और आर्थिक रूप से पिछड़े राज्य में 'रोजी-रोटी' की स्थिति बिगड़ रही है, जबकि सरकारें 'बयानबाजी और वादों' के जरिये लोगों की कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारें नारों और घोषणाओं के माध्यम से भूख, गरीबी और बेरोजगारी से निपटने की कोशिश कर रही हैं।''

रीजीजू ने एफसीआरए संशोधन विधेयक पर विपक्ष के दावों को 'झूठ' करार दिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि एफसीआरए संशोधन विधेयक का उद्देश्य किसी धार्मिक संगठन को निशाना बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा एवं हितों के खिलाफ विदेशी धन के इस्तेमाल को रोकना है। रीजीजू ने यहाँ भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में कांग्रेस और वामपंथी दलों पर तीखा हमला बोला तथा उन पर एफसीआरए में प्रस्तावित संशोधन को लेकर झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि विधेयक को लेकर उनके दावे ''पूरी तरह से झूठे, मनगढ़ंत और गुमराह करने वाले'' हैं। विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में संशोधन के लिए 25 मार्च को लोकसभा में एक विधेयक पेश किया गया, जिसमें सरकार ने यह स्पष्ट किया कि विदेशी धन के ज़रिए ज़बरन धर्म परिवर्तन कराने में शामिल व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 पेश करते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि इस कानून का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और विदेशों से प्राप्त धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करना है। विधेयक को लेकर विपक्ष के दावों के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा, ''केरल में वामपंथी दल और कांग्रेस ने कुछ अफ़वाहें फैलाई हैं कि भारत सरकार विभिन्न धार्मिक संगठनों की गतिविधियों को रोकने के लिए एफसीआरए संशोधन विधेयक ला रही है।''अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा, ''प्रस्तावित संशोधन विधेयक केवल भारत में विदेशी धन को विनियमित करने और किसी भी अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है।''

असम चुनाव घुसपैठियों को बाहर निकालने और उग्रवाद के काले बादल हटाने के बारे में है : ईरानी

धेमाजी (असम)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने असम में हमेशा अवैध प्रवासियों को बचाने और राज्य को उग्रवाद के काले साये के तहत लाने का काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में विधानसभा चुनाव ''देश से प्रत्येक घुसपैठिए को बाहर निकालने'' के बारे में है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में हर मोर्चे पर प्रगति सुनिश्चित की है और अब विकास की इस गाथा में महिलाएँ विशेष रूप से आगे हैं।

सिस्सीबोरगांव निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जीबन गोगोई के लिए चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा, ''यह चुनाव किसी को विधायक बनाने या हिमंत विश्व शर्मा को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के बारे में नहीं है।'' पंद्रह अगस्त, 2004 के धेमाजी धमाके का ज़िक्र करते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''ये बेकसूर लोग थे, जिन्हें मार डाला गया। उनकी क्या गलती थी? राज्य पर ऐसा काला साया छा गया कि निर्दोषों को अपनी जान गंवानी पड़ी।'' इस धमाके में स्कूली बच्चों सहित 13 लोगों की जान गई थी। ईरानी ने कहा कि राज्य अब एक ऐसे दौर में पहुँच गया है जहाँ हर कोई बिना किसी डर के राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है, जिसका श्रेय केंद्र और राज्य की मौजूदा सरकार को जाता है। कांग्रेस पर घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने सवाल उठाया कि यह पुरानी पार्टी और विपक्ष में उसके सहयोगी चुनाव से पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ क्यों हैं।

कांग्रेस ने असम के युवाओं की प्रतिभा, क्षमताओं का दुरुपयोग किया : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेजपुर (असम)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को असम में एक चुनावी रैली में कांग्रेस पर राज्य के युवाओं की प्रतिभा और क्षमताओं का ''दुरुपयोग'' करने का आरोप लगाया तथा लोगों से पार्टी को कभी माफ न करने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को केवल बांग्लादेशी घुसपैठियों की फिक्र है और उसने अपने शासनकाल में असम के साथ सौतेला व्यवहार किया।

मौजूदा विधायक और सहयोगी असम गण परिषद (अगप) के तेजपुर से उम्मीदवार पृथ्वीराज रावा के समर्थन में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कांग्रेस ने हमेशा असम के युवाओं, उनकी प्रतिभा और क्षमताओं का दुरुपयोग किया है। उसे माफ नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की एकमात्र चिंता बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं, जिनका इस्तेमाल वह अपने वोट बैंक के लिए करती है। राजनीति केवल सरकार गठन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए की जानी चाहिए।''

सिंह ने दावा किया कि बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण असम के कुछ जिलों में जनसंख्या संतुलन बिगड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस शासन के दौरान दिल्ली ने असम को दूर रखा... आजादी के बाद से कांग्रेस ने असम के अधिकारों का हनन किया है।''

सिंह ने दावा किया कि भाजपा शासन में असम में 7,500 से अधिक उग्रवादियों ने हथियार डाला और वे मुख्यधारा में शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने कहा, ''भाजपा ने भ्रष्टाचार का खात्मा किया और चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार देकर न्याय दिलाया... असम में राजग को दो-तिहाई बहुमत मिलने से कोई नहीं रोक सकता।''

'शोले' जैसा मंजर: युवती से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, पुलिस ने बचाया

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। बॉलीवुड की मशहूर फिल्म शोले के एक प्रसिद्ध दृश्य की याद दिलाने वाली एक नाटकीय घटना के तहत उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में 23 वर्षीय युवक अपनी मौसेरी बहन से शादी करने की मांग करते हुए एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

हालांकि, यह युवक 'शोले' के वीरू (जिसकी बसंती से शादी करने की इच्छा पूरी हो गई थी) जितना भाग्यशाली नहीं रहा और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि मामला थाना तिलहर क्षेत्र के गांव कछियानी खेड़ा का है जहां रामपाल कश्यप का 23 वर्षीय बेटा राजू पाल अपनी मौसेरी बहन से शादी की जिद पर अड़ गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब आठ साल से युवती से एकतरफा प्यार करता था, लेकिन लड़की के परिवार ने उसके साथ रिश्ता जोड़ने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि परिवार के इनकार से नाराज होकर राजू गांव में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया और कूदने की धमकी देने लगा। मौके पर भीड़ जुट गई और माहौल पूरी तरह 'फिल्मी' हो गया।

पाक व लंदन में स्थित अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करें गौरव गोगोई : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई को पाकिस्तान और ब्रिटेन में स्थित संपत्तियों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की चुनौती दी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने को लेकर यहां आयोजित कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में शर्मा ने जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से सांसद गोगोई से कहा कि वह विदेशों में अपनी संपत्तियों की सूची निर्वाचन आयोग को सौंपें। उन्होंने कहा, '' गोगोई ने न तो पाकिस्तान से अपनी पत्नी की आय विवरण दिया है और न ही पड़ोसी देश में उनके बैंक खाते का उल्लेख किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्पष्ट रूप से आरोप लगा रहा हूं कि गोगोई की पाकिस्तान और लंदन दोनों जगह संपत्तियां हैं, जबकि राइजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई ने यह भी आरोप लगाया है कि उनकी (गौरव गोगोई) अमेरिका में भी संपत्ति है। उन्होंने कहा, यह मेरा आरोप नहीं है, लेकिन मैं चाहता हूं कि गौरव गोगोई निर्वाचन आयोग के शपथपत्र में पाकिस्तान में अपने लेन-देन का विवरण प्रस्तुत करें। शर्मा ने कहा कि वे ये आरोप पूरी जिम्मेदारी के साथ और बतौर मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि गोगोई के पास अपनी पत्नी के नाम पर पाकिस्तान और लंदन, दोनों जगह संपत्तियां हैं, जिनका उल्लेख उन्होंने निर्वाचन आयोग को दिए गए शपथपत्र में नहीं किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यदि कोई संपत्ति नहीं है, तो उन्हें अपनी पत्नी के पाकिस्तान स्थित बैंक खाते के लेन-देनभले ही वे पुराने ही क्यों न होचार निष्पक्ष व्यक्तियों के समक्ष प्रस्तुत करने चाहिए। इसके लिए उन्होंने चार पत्रकारों के नाम भी सुझाए। उन्होंने आगे कहा, ये चारों व्यक्ति बैंक खातों की जांच करें और जनता को बताएं कि क्या यह सही है या मैं झूठ बोल रहा हूं।

अवैध रूप से गुर्दा प्रतिरोपण कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ : सरगना समेत छह गिरफ्तार

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर पुलिस ने मंगलवार को कई निजी अस्पतालों के जरिए कथित तौर पर अवैध गुर्दा प्रतिरोपण कराने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उसके सरगना तथा पांच चिकित्सकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि ये गिरफ्तारियां सोमवार देर रात कल्याणपुर इलाके में निजी चिकित्सालयों---मेड-लाइफ अस्पताल, आहूजा अस्पताल और प्रिया अस्पताल में एक साथ की गई छापेमारी के बाद हुईं। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर की गई थी जिसका नेतृत्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरिदत्त नेमी कर रहे थे। लाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में डॉक्टर प्रीति आहूजा (50), उसके पति डॉक्टर सुरजीत सिंह आहूजा (54) तथा अर्धचिकित्साकर्मियों-- राजेश कुमार (44), राम प्रकाश (40) और नरेंद्र सिंह शामिल हैं।

भाजपा अवैध मतदाताओं को शामिल करने की कोशिश कर रही है : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं के नाम राज्य की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है ताकि चुनाव परिणाम को अपने पक्ष में मोड़ा जा सके। बनर्जी ने पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में एक चुनावी रैली में यह बात कही। उन्होंने रैली में अपनी अपील दोहराई कि जनता इस पर ध्यान न दे कि विधानसभा क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार कौन हैं बल्कि उन्हें ही (ममता बनर्जी को) सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार मानें।

तृणमूल प्रमुख ने कहा, '' कल अभिषेक (बनर्जी) ने मुझे बताया कि नए मतदाताओं को शामिल करने के लिए एक ही दिन में लगभग 30,000 फॉर्म जमा होने की सूचना मिलने पर उन्हें अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रम के बीच से ही कोलकाता स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय जाना पड़ा।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' भाजपा बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं को बंगाल की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है। वे बिहार की तरह ही रेल के माध्यम से बाहरी मतदाताओं को लाने की योजना बना रहे हैं।'' इस बीच ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखकर तीखे लहजे में कहा कि जिनका बंगाल से कोई वैध संबंध नहीं है, उनसे संबंधित फॉर्म 6 के आवेदन अवैध, असंवैधानिक और मौलिक रूप से अलोकतांत्रिक हैं, जो दुर्भावनापूर्ण इरादे को दर्शाते हैं।

आरसीबी में आया है ठहराव, खिलाड़ियों को अपनी भूमिका पता है : कृणाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के कृणाल पंड्या का कहना है कि टीम में पिछले साल की तुलना में ठहराव आया है और खिलाड़ियों को इस सत्र में अपनी भूमिकाओं के बारे में बखूबी पता है ।

आरसीबी ने 2025 में 18 साल में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीता था और पंजाब किंग्स के खिलाफ फाइनल में कृणाल प्लेयर आफ द मैच थे जिन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिए थे । आरसीबी ने मैच छह रन से जीता था । कृणाल ने टीम द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' मेरा मानना है कि इस साल अधिक ठहराव आया है । पिछले साल यह नई टीम थी और सभी एक दूसरे को समझ रहे थे । इस साल खिलाड़ियों को अपनी भूमिका, एक दूसरे की ताकत और कमजोरी बखूबी पता है ।''

उन्होंने कहा ,'' जब मैं बड़े मौकों पर खेलता हूं तो मुझे लगता है कि अगर भगवान आपको यहां तक लाये हैं तो कोई कारण होगा और मुझे लगता है कि ये बड़े मौके मेरे लिए ही बने हैं । मुझे दबाव महसूस होता है लेकिन मैं सोचता हूं कि कैसे शांतचित्त रहूं और जरूरत के मुताबिक खेलूं ।'' उन्होंने विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा ,'' विराट अच्छा उदाहरण हैं । आप उसकी जीत की भूख और जुनून देख सकते हैं । विराट कोहली किसी भी पीढी में पैदा होते, वह महानतम खिलाड़ियों में ही होती । उनका किसी

किसी और को अपनी सीमायें तय मत करने दो : शीतल देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुनी गई दुनिया की नंबर एक शीतल देवी का मानना है कि यह सम्मान बरसों की कड़ी मेहनत, नाकामियों और चुपचाप किए गए बलिदानों को दर्शाता है और उनका फलसफा यही है कि किसी और को अपनी सीमायें तय करने नहीं दें ।

दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज शीतल को विश्व तीरंदाजी ने सोमवार को वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जो उनकी असाधारण उपलब्धियों में एक और इजाफा है । बैंकॉक में एक टूर्नामेंट में भाग ले रही शीतल ने भाषा से खास बातचीत में कहा ,'' यह अद्भुत है । दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों में नामांकन मिलना ही खास था और यह पुरस्कार जीतना यादगार और बहुत खास है । यह हर घंटे की कड़ी मेहनत, हर नाकामी और चुपचाप किए गए बलिदानों को दर्शाता है ।'' जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ की 19 वर्ष की पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने दक्षिण कोरिया में 2025 विश्व पैरा तीरंदाजी चैम्पियनशिप में गत चैम्पियन और तत्कालीन नंबर एक तीरंदाज तुर्की की ओजनुर क्यूरे को हराकर खिताब जीता था । वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली पहली भुजाहीन महिला तीरंदाज भी बनी । शीतल ने कहा ,'' यह माता रानी का आशीर्वाद है और उनकी कृपा मुझ पर हमेशा रहती है । मैं अपने परिवार, कोच , टीम और मेरे साथ विकट परिस्थितियों में भी खड़े रहने वाले हर व्यक्ति को इसका श्रेय देती हूं ।''

उदीयमान खिलाड़ियों को क्या सुझाव देंगी, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि सभी को संयम के साथ प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए आगे बढना चाहिए । उन्होंने कहा ,'' किसी और को अपनी सीमायें तय मत करने दो । आपका सफर अपना है जिसमें संयम बनाये रखते हुए प्रक्रिया पर भरोसा रखो और हर दिन बेहतर करने की कोशिश करो । किसी में कोई कमी नहीं होती बस थोड़ी मेहनत की कमी होती है ।'' अपने कैरियर की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि पिछले साल नई तकनीक सीखना सबसे चुनौतीपूर्ण था । उन्होंने कहा ,'' नई तकनीक सीखना आसान नहीं था । उस समय नतीजे नहीं मिल रहे थे और लोग मेरी काबिलियत पर संदेह करने लगे थे ।'' उन्होंने कहा ,'' मैने समारोहों में जाना और इंटरव्यू देना बंद कर दिया जिससे सवाल और संदेह बढते गए । मैने अपना पूरा फोकस ट्रेनिंग पर लगा दिया । इससे मुझे दृढता मिली और आत्मविश्वास भी ।''

सुविचार

भरोसा करना सीखें, लेकिन आँखें बंद करके नहीं। विवेक का इस्तेमाल हर मोड़ पर जरूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या ऐसे बनेंगे विश्वगुरु?

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की यह टिप्पणी कि 'देश को विश्वगुरु बनना था, लेकिन वह तो विश्वचेला बन गया', निंदनीय है। आजकल कई नेता और अन्य लोग इसी टिप्पणी को दोहरा रहे हैं। इन्हें अपने देश को दूसरों से कमजोर साबित करने में क्या आनंद आता है? स्वस्थ आलोचना करनी चाहिए। इसका हमेशा स्वागत होना चाहिए, क्योंकि यह हमें बेहतर बनने में मदद करती है। वहीं, बार-बार खुद की क्षमता पर संदेह करने, हमेशा नकारात्मक सोचने से कोई बेहतरी नहीं आती। भारत किसी समय विश्वगुरु था। तब नालंदा, तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में देश-विदेश के विद्यार्थी अध्ययन करते थे। आज ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में पश्चिमी देशों का दबदबा है। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन वह लगातार आगे बढ़ रहा है। इस देश ने डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष अनुसंधान समेत कई क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन कर दुनिया को अचंभित किया है। भारत अपनी समस्याएं जानता है। यहां लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए बहुत प्रयास करने होंगे। अगर इसके साथ देश विश्वगुरु बनने का लक्ष्य रखता है तो इसमें क्या बुराई है? क्या हमें सदैव अपनी समस्याएं गिनाते रहना चाहिए? क्या हम इससे विश्वगुरु बन जाएंगे? भगवंत मान कहते हैं, 'देश को आजाद हुए करीब 80 साल हो चुके हैं, लेकिन अब भी बुनियादी समस्याएं जस की तस हैं। ... विदेशों में लोग मंगल ग्रह पर जाने की बात कर रहे हैं, जबकि हम शहरों में सीवर के ढक्कन तक नहीं लगा पाए हैं।' अगर तथ्यों की बात करें तो पंजाब के मुख्यमंत्री ने ज्यादा गलत नहीं कहा है। भारत में समस्याएं तो हैं, लेकिन 'जस की तस' नहीं हैं। जिन्होंने साठ और सत्तर का दशक देखा है, उनसे पूछें, 'उस समय खाद्यान्न की क्या स्थिति थी?' आज भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है। हमारे किसान कई देशों के पेट भर सकते हैं।

जिन्होंने अस्सी का दशक देखा है, उनसे पूछें, 'उस समय टेलीफोन का कनेक्शन कैसे मिलता था और कितने दिनों में मिलता था? सीमेंट कैसे मिलती थी? अगर ब्याह-शादी होती तो चीनी की एक बोरी लेने के लिए कितनी जगह धक्के खाने पड़ते थे?' उनसे पूछें, 'उस समय किसी को स्कूटर खरीदना होता तो क्या प्रक्रिया थी? अच्छी कलाईघड़ी लेने जाते तो कितने दिन बाद नंबर आता था? बैंकों की क्या स्थिति थी? कितने आम लोग बैंकों में अपने खाते खुलवा सकते थे? अगर शहर में नौकरी कर रहा कोई व्यक्ति गांव में अपने मां-बाप को रुपए भेजता तो कितने दिन लगते थे और क्या शुल्क था? जब कभी बाढ़-अकाल के हालात होते और केंद्र सरकार आम लोगों को आर्थिक सहायता भेजती तो बिचौलिए कितना हिस्सा डकार जाते थे?' यह कहना बहुत आसान है कि भारत में कुछ नहीं बदला, समस्याओं का ढेर लगा हुआ है। वास्तव में ऐसा नहीं है। नब्बे के दशक तक टेलीफोन आम आदमी की पहुंच से दूर था। साइकिल खरीदने से पहले दस बार सोचना पड़ता था। कई अच्छे धारावाहिकों से करोड़ों लोग इसलिए वंचित रह गए, क्योंकि उनके पास टीवी नहीं था। अक्सर चीजों की किल्लत बनी रहती थी। लोग इसके अभ्यस्त हो गए थे। क्या आज वैसी स्थिति है? नहीं, भारत बहुत आगे बढ़ चुका है, कई गुणा बेहतर स्थिति में है। बतौर मुख्यमंत्री, भगवंत मान के पास कई अधिकार और शक्तियां हैं। उन्होंने पंजाब का कितना विकास कर दिया? क्या वहां के स्कूल अमेरिका-चीन के स्कूलों को टक्कर देने लगे हैं? क्या पंजाब से बेरोजगारी दूर हो गई है? क्या उन्होंने युवाओं को नशे से निजात दिला दी है? याद करें, वे दृश्य जब अमेरिका से कई भारतीय नागरिक अपमानजनक तरीके से स्वदेश भेजे गए थे। उनमें कितने लोग पंजाब से थे? क्या पंजाब से अब लोग विदेश जाने के लिए गलत तरीके नहीं अपना रहे हैं? अपने देश की व्यवस्थाओं से जुड़ीं कमियां गिनाना आसान है। यह तो हर कोई कर सकता है। जिन लोगों के पास शासन से जुड़े अधिकार हैं, उन्हें कोरी बातें बनाने से पहले कुछ करके दिखाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भाजपा महिला मोर्चा, राजस्थान के सभी नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं! मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के नेतृत्व में नारी शक्ति संगठित होकर राज्य के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

-भजनलाल शर्मा

भारत की बेटी शीतल देवी को वर्ष 2025 की 'पैरा आर्चर ऑफ द ईयर' चुने जाने पर अपार बधाई और शुभकामनाएं। जम्मू-कश्मीर की यह बेजोड़ प्रतिभा आज देश की करोड़ों बेटियों और युवाओं की नई प्रेरणा बन गई है। आपकी उपलब्धियां स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गई हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

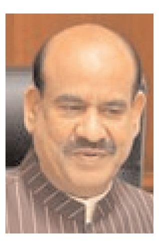

नालंदा, बिहार स्थित शीतला माता मंदिर में भगदड़ से हुई जनहानि अत्यंत दु:खद है। इस दुखांतिका में असमय जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें, तथा घायल जन शीघ्र सकुशल हो।

-ओम बिडला

प्रेरक प्रसंग

वीरता से आज़ादी की रक्षा

एक बार रोम पर दुश्मनों ने हमला कर दिया। दुश्मन ने चारों तरफ की सीमाएं घेर लीं। रोम के लोगों ने तय किया कि लड़ाई मोल लेना ठीक न होगा, दुश्मन को कुछ सोना देकर युद्ध से बचा जा सकता है। सभासदों ने लोगों से सोना और हीरे-जवाहरात एकत्र करने की अपील की। सोना तोलकर एक जगह ढेर लगाया जाने लगा। उसी वक्त एक नौजवान वहां आया और तराजू पर तलवार फेंकते हुए बोला, 'आप लोग यह कायराना काम क्यों कर रहे हैं? क्या आजादी की रक्षा इस तरह की जाती है? सिंह को जब एक बार लहू का स्वाद मिल जाता है तो फिर वह ताउम्र पीछा नहीं छोड़ता। सोने के टुकड़े देकर मांगी गई आजादी स्थायी नहीं होती। धन देकर आजादी को ज्यादा दिन नहीं बचाया जा सकता।' फिर क्षणभर रुककर उसने नवजवानों की ओर देखा और कहा, 'साथियो ! आइए हम सब बहादुरी से एक साथ चलकर दुश्मनों को यह बता दें कि हमें सोना देकर आजादी नहीं चाहिए, बल्कि आजादी की खातिर तो हम सब हंसते-हंसते अपनी जान भी कुर्बान कर सकते हैं।' रोमन लड़ाकों जब यह ललकार सुनी तो वे युद्ध के लिए तैयार हो गये।

सामयिक

आज जब हम नक्सलवाद मुक्त देश की स्थिति पर पहुंचे हैं तो विचार करना पड़ेगा कि आखिर यह समस्या इतनी बढ़ी कैसे? गरीबी व्यक्ति के अंदर असंतोष पैदा करता है किंतु माओवाद विचारधारा है जो हथियार की बदौलत सत्ता पर कब्जा करने और बदलने का संघर्ष है। ईमानदारी से विश्लेषण करेंगे तो निष्कर्ष यही आएगा की गरीबी के कारण नक्सलवाद या माओवाद नहीं बढ़ा बल्कि लोगों को भड़का कर बरगला कर हथियार थमाये गये। यही वहां के गरीबी के कारण बन गये। उन्होंने अस्पताल, स्कूल जला दिए, सड़कें तोड़ दिए, खदान बंद कराया, लेवी लेकर अपनी ष्टि से चलवाया, जंगलों में मछली पालन से लेकर अन्य काम बंद हो गए लोगों का बाहर जाना बंद कर दिया तो उनके सामने गरीबी और तंगहाली में आंसू बहाकर जीने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

नक्सलवाद से यूँ ही मुक्त नहीं हुआ देश

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की कि लाल आतंकी परछाई हट गई है। यह ऐसी घोषणा है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। वास्तव में 30 मार्च भारत के लिए ऐतिहासिक दिन माना जाएगा। जब गृह मंत्री ने पिछले वर्ष घोषित किया था कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सली आतंक से मुक्त हो जाएगा तो एक्टिविस्टों, पत्रकारों, नेताओं, एनजीओ चलाने वालों, बुद्धिजीवियों आदि की बड़ी फौज ने अलग-अलग तरीकों से उनका निशाना बनाना, उपहार उड़ाना और प्रच्छन्न तरीके से विरोध आरंभ कर दिया था। गृह मंत्री ने घोषणा की कि 2024 तक नक्सलियों की शीर्ष केंद्रीय कमेटी और पुलिस ब्यूरो में 21 मुख्य कैडर थे जो पूरे नेटवर्क को चलाते थे। इनमें से एक पकड़ा गया, सात ने आत्मसमर्पण किया और 12 मारे गए तथा एक फरार है। उसके साथ भी आत्मसमर्पण के लिए बातचीत चल रही है। वस्तुत: वह मिसिर बेसरा है जो झारखंड के सारंडा जंगलों में अपने 50 साथियों के साथ छिपा है। वह आत्मसमर्पण करता है या मारा जाता है तो हथियारों के बल पर संघर्ष करने वालों की सूची समाप्त हो जाएगी। थोड़े शब्दों में कहें तो नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है।

जरा सोचिए, 2014 में जो नक्सल प्रभावित जिले 126 थे, वे अब घटकर मात्र 2 रह गए हैं। वे भी केवल नाम मात्र के। रेड कॉरिडोर या लाल गलियारा के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र में 12 राज्य और 70 प्रतिशत भूभाग शामिल था। आप यूपीए शासन काल को याद करिए, जब भी आंतरिक सुरक्षा का सम्मेलन होता था राज्यों के पुलिस प्रमुखों, गृह सचिवों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के भाषण में यह पंक्ति रहती ही थी कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माओवाद है। अब भविष्य में आने वाले प्रधानमंत्री को भी इस पंक्ति के प्रतिध्वनित करने की आवश्यकता नहीं होगी। आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के विरोधी हों या समर्थक कम से कम देश को नक्सलवाद से मुक्त करने, व्यापक क्षेत्र के गरीबों-जनजातियों को वास्तविक स्वतंत्रता दिलाने, उनकी जिंदगी में आशा और खुशियां पैदा करने तथा देश की मुख्य धारा के साथ जोड़ने के इस अकल्पनीय लगने वाले अवसर पर कम से कम साधुवाद दीजिए।

पिछले लगभग 12 वर्ष की नक्सलवाद या माओवाद विरुद्ध मोदी सरकार की नीति का मूल्यांकन करेंगे तो एक निष्कर्ष यह आएगा कि राजनीतिक नेतृत्व के अंदर समस्याओं को लेकर संवेदनशीलता व सही समझ हो, उसके अंत करने के उपाय के प्रति दृष्टि साफ और संकल्प शबद्धता हो तो परिणाम ऐसा आ सकता है। इसका दूसरा अर्थ हुआ कि पूर्व की सरकारों में न समझ थी, न दृष्टि और संकल्पबद्धता का तो प्रश्न नहीं था। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा केवल 30 मार्च को दिए गए लोकसभा के वक्तव्य ही नहीं इसके पूर्व जितने भाषण व वक्तव्य हैं उन सबमें सरकार की दृष्टि और संकल्पबद्धता स्पष्ट थी। उनसे पता चलता है कि इतनी बड़ी उपलब्धि कैसे हासिल हुई? इस सुखद स्थिति के पीछे कई स्तरीय रणनीति थी। सख्त सुरक्षा कार्रवाई, माओवादियों से संपर्क कर उन्हें आत्मसमर्पण और सामान्य जीवन में आने के लिए प्रेरित करने का सतत अभियान, उनका आर्थिक ढांचा तोड़ना, क्षेत्र की विकास गतिविधियों के साथ स्थानीय लोगों से संपर्क एवं उनके अंदर सुरक्षा मिलने का आश्वासन पैदा करना। सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकवाद बन चुके बड़े नक्सली नामों को संघर्ष में समाप्त किया। सुरक्षा कार्रवाइयों के दबाव में हजारों का आत्मसमर्पण हुआ। आर्थिक कमर तोड़ने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय को दायित्व दिया गया, जिससे नक्सलियों से अवैध करोड़ों जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले दर्ज हुते और नक्सलियों को धन देने वालों को गिरफ्तार किया गया। इसके समानांतर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए बजट आवंटन में 300 प्रतिशत की वृद्धि की गई। प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क लगे , सड़कें बनीं, राशन की दुकानें खुलीं ,स्कूल चलाने की कोशिश हुई, स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गई, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। संघ परिवार द्वारा पहले से चलाए गए एकलव्य स्कूलों को प्रोत्साहन मिला, रोजगार प्रशिक्षण के लिए आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। सुरक्षा बलों के साए में सांस्कृतिक-धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों में लोगों को शामिल करने की कोशिश हुई और उनके अंदर का भय मिटता गया तथा उनका भी सहयोग मिलने लगा। संदेश था कि सरकार की प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत है और फिर सुरक्षा बलों ने पूर्व का रक्षात्मक व्यवहार त्याग कर आक्रामक रणनीति अपनाई। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु सहाय और गृह मंत्री विजय शर्मा के भी भूमिका रही। आत्मसमर्पण नीति लागू की गई, जिसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। सरकार ने हर गांव तक पहुंच बनाई। इस दृष्टि से विचार करें तो सरकार के पास सुरक्षा और विकास दोनों की समग्र नीति थी जिसकी परिणति हमारे सामने है। क्रूरता, निर्दयता और दमन करने के आरोप लगाने वालों के सामने गृह मंत्री ने लोकसभा मैं आंकड़ा देते हुए कहा कि सन 2024 से अब तक 706 नक्सली मारे गए जबकि उनकी तुलना में 2218 गिरफ्तार किए गए तथा 4849 में आत्म समर्पण किया। यह आंकड़ा अपने आप बताता है कि सरकार संवेदनशीलता के साथ काम किया। बात सीधी है और जैसा गृह मंत्री ने कहा कि मैं 50 बार कह चुका हूं कि हथियार डाल दो सरकार पुनर्वास की व्यवस्था करेगी। हथियार नहीं डाले तो जो गोली चलाएगा उसका जवाब गोली से मिलेगा यही सरकार की नीति है। वोट की जगह बुलेट से शासन नहीं चल सकता।

आज जब हम नक्सलवाद मुक्त देश की स्थिति पर पहुंचे हैं तो विचार करना पड़ेगा कि आखिर यह समस्या इतनी बढ़ी कैसे? गरीबी व्यक्ति के अंदर असंतोष पैदा करता है किंतु माओवाद विचारधारा है जो हथियार की बदौलत सत्ता पर कब्जा करने और बदलने का संघर्ष है। ईमानदारी से विश्लेषण करेंगे तो निष्कर्ष यही आएगा की गरीबी के कारण नक्सलवाद या माओवाद नहीं बढ़ा बल्कि लोगों को भड़का कर बरगला कर हथियार थमाये गये। यही वहां के गरीबी के कारण बन गये। उन्होंने अस्पताल, स्कूल जला दिए, सड़कें तोड़ दिए, खदान बंद कराया, लेवी लेकर अपनी दृष्टि से चलवाया, जंगलों में मछली पालन से लेकर अन्य काम बंद हो गए लोगों का बाहर जाना बंद कर दिया तो उनके सामने गरीबी और तंगहाली में आंसू बहाकर जीने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। आज इस बात का उत्तर दिया जाना चाहिए कि आखिर क्यों कई करोड़ लोग वर्षों तक नक्सलवादी आतंक के साए में जीवन जीते रहे, करीब 30 हजार लोगों की जान चली गई जिनमें 5000 सुरक्षा कर्मी भी शामिल थे? स्वतंत्रता के बाद से कांग्रेस का शासन था तो आखिर उन क्षेत्रों में गरीबी क्यों रही? नक्सलवाद पैदा होने और उसके विस्तृत होने के लिए किसे दोषी माना जाएगा? 1967 में बंगाल के नक्सलवादी से आरंभ या आंदोलन आखिर इतना भयानक कैसे हो गया कि सरकार की पहुंच उन क्षेत्रों में समाप्त हो गई? प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1969 में कांग्रेस के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी नीलम संजीव रेड्डी को हराने के लिए बीबी गिरी को उम्मीदवार बनाया जो कम्युनिस्टों के सहयोग से जीत गए। केवल 1971 के एक ही वर्ष में 3620 हिंसा की घटनाएं हुई।नक्सलियों के पास से बरामद हथियारों की जांच से पता लगा कि 92 प्रतिशत सुरक्षा बलों और थानों से लूटे गए थे। यह कैसे संभव हुआ? सरकार की नीतियां सही होती तो तिरुपति से पशुपतिनाथ तक इतना बड़ा रेड कॉरिडोर कैसे बन सकता था? अगर सत्ता का समर्थन था ही नहीं तो 5 जुलाई, 2011 को नंदिनी सुंदर और अन्य लोगों द्वारा दायर एक याचिका के बाद उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली पीठ ने सलवा जुडूम के बारे में फैसला देते हुए कहा कि माओवादियों के विरुद्ध लड़ाई गैर कानूनी थी। परिणाम यह निकला कि माओवादियों ने सलवा जुडूम से जुड़े लोगों की हत्या कर दी और कांग्रेस ने सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया। इसका मतलब क्या हुआ? यह बात तो सत्य है कि राहुल गांधी ने 2018 में हैदराबाद में माओवादी घुमांडी विट्ठल राव से मुलाकात की। 2025 में कॉर्डिनेशन कमेटी ऑफ पीस के साथ मुलाकात की। हिडमा जब मारा गया, तब इंडिया गेट पर कितने हिडमा मारोगे, हर घर से हिडमा निकलेगा के नारे लगे जिसके वीडियो राहुल गांधी ने पोस्ट किया। किसी भी नेता या पार्टी को इसका उत्तर अवश्य देना चाहिए। बहरहाल, गृह मंत्री की इस घोषणा को आश्वासन माना जाना चाहिए कि सरकार मुद्दों के प्रति संवेदनशील है, वह सभी शिकायतें को सुनने के लिए तैयार और हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। किंतु देश में माओवादी हिंसा करने वालों के दिन अब खत्म हो गए हैं, हथियार उठाने वालों को हिसाब देना होगा।

नजरिया

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व है मूर्ख दिवस

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 941670584.

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था।

जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए।

किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है।

यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमारे तीन जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया, संबंधित पक्षों को धन्यवाद: चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने मंगलवार को कहा कि तेल लेकर आ रहे उसके तीन जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और उसने इसकी सुविधा और समन्वय के लिए संबंधित पक्षों को धन्यवाद दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक प्रेसवार्ता में ईरान का नाम लिए बिना कहा कि संबंधित पक्षों के समन्वय के बाद हाल ही में तीन चीनी जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया। उन्होंने कहा, ''हम संबंधित पक्षों की सहायता के लिए आभार व्यक्त करते हैं।''

ईरान वर्तमान में खाड़ी से जलडमरूमध्य पार करने वाले तेल के जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित कर रहा है।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता की अंतरराष्ट्रीय मान्यता की मांग कर रहा है। माओ ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास का जलक्षेत्र अंतरराष्ट्रीय माल और ऊर्जा व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने कहा कि चीन खाड़ी में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए शत्रुता तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता है।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद चीन वर्षों से ईरानी तेल का एक बड़ा आयातक रहा है। चीन ने अपने जहाजों के होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के बारे में पहली बार बात की। ऐसी खबरें हैं कि ईरान घनिष्ठ रणनीतिक संबंधों को देखते हुए चीनी जहाजों को जलडमरूमध्य पार करने दे रहा है।

इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को बीजिंग में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से ईरान की स्थिति पर बातचीत की।

चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार वांग चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं। वह डार के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे जो दोनों देशों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

इससे पहले, माओ ने कहा था कि पश्चिम एशिया युद्ध का मुद्दा डार और वांग की बैठक में उठेगा।

उम्मीद है कि डार, वांग को तुर्किये, मिस्र और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों के साथ हुई उन चर्चाओं की जानकारी देंगे, जिनका उद्देश्य अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए वार्ता को बढ़ावा देना था।डार की यात्रा पर माओ ने कहा कि चीन और पाकिस्तान आपसी विश्वास और सहयोग पर आधारित सर्वकालिक रणनीतिक सहयोगी साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश समान दृष्टिकोण रखते हैं और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ संवाद बनाए रखते हैं।

माना जाता है कि दोनों देशों के विदेश मंत्री ईरान की स्थिति और आपसी हित के अन्य अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर रणनीतिक संचार और समन्वय को बढ़ाएंगे, संयुक्त रूप से शांति और न्यायपूर्ण रुख की अपील करेंगे और संघर्ष को समाप्त करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए नए प्रयास करेंगे।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद से, चीन सभी देशों से सैन्य अभियान तुरंत रोकने का आह्वान कर रहा है। चीन होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का भी आह्वान कर रहा है, क्योंकि इसके बंद होने से ईंधन आपूर्ति में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

ईरान पर हुए हमलों की निंदा करते हुए, चीन 14-15 मई को होने वाली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा की तैयारी भी कर रहा है, जिस दौरान दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीदें बहुत अधिक हैं।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी। मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, आप सबसे बढ़िया हैं बॉस। फराह खान ने लिखा, अरे वाह।

'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं।

स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है।

यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

पड़ोसी देश असम को तोड़ना चाहते थे, लेकिन मोदी सरकार ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया: फडणवीस

डिब्रूगढ़/जोरहाट/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को दावा किया कि भारत के पड़ोसी देश असम में पहले व्याप्त अशांति का फायदा उठाकर उसे तोड़ना चाहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने क्षेत्र में शांति कायम की, जिससे उनके सपने चकनाचूर हो गए।

फडणवीस ने एक चुनावी रैली में कहा कि असम में उग्रवाद समाप्त हो गया है और विभिन्न समूहों के साथ हुए शांति समझौतों में दिए गए 92 फीसदी आश्वासनों को पहले ही लागू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार ने न केवल विकास सुनिश्चित किया है, बल्कि राज्य की पहचान की भी रक्षा की है।

फडणवीस ने कांग्रेस पर असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र की अनदेखी करने तथा उनके प्रति सौतेला रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षेत्र को विकास के केंद्र में रखा है।

डिब्रूगढ़ से भाजपा उम्मीदवार प्रशांत फुकन के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, असम में पहले व्याप्त अशांति के कारण पड़ोसी देशों को लगा था कि वे एक दिन राज्य को तोड़ देंगे। लेकिन मोदी जी ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया और आज असम तेजी से तरक्की कर रहा है।

फडणवीस ने भाजपा सरकार को उग्रवादी समूहों को मुख्यधारा में लाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि इन समूहों के साथ न केवल शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, बल्कि उन्हें दिए गए 92 फीसदी आश्वासनों को भी लागू किया गया।

फडणवीस ने कहा, बाकी आठ प्रतिशत वादों को पूरा करने के लिए भी काम जारी है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किए गए विभिन्न कल्याणकारी उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्र की नीति के अनुरूप महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, मोदी सरकार में महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। 2029 में संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण लागू होने के बाद 'महिला राज' होगा।

जोरहाट से भाजपा उम्मीदवार हितेंद्र नाथ गोस्वामी के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम में घुसपैठ चरम पर थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को इसके (घुसपैठ) खिलाफ आंदोलन शुरू करना पड़ा और कई लोग शहीद हो गए।

सतिंदर सरताज के गाने ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी सिंगर सतिंदर सरताज ने फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'जाइए सजना' की कुछ लाइन गाकर पूरे इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। इस गाने को जैस्मीन सैंडलास के साथ मिलकर गाया गया है। गाना रिलीज होने के बाद से सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रहा है। मंगलवार को अभिनेत्री अहाना कुमरा और दानिश पेंडोर 'जाइए सजना' पर खोते नजर आए। दरअसल, दोनों साथ में लॉन्ग ड्राइव पर जा रहे थे और साथ में इसी गाने पर सुर से सुर मिलाकर गाते हुए नजर आ रहे हैं। अहाना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे और अभिनेता दानिश पेंडोर नजर साथ में लॉन्ग ड्राइव पर जा रहे हैं। दोनों गाना 'जाइए सजना' को बजाकर सुर से सुर मिलाकर गा रहे हैं। अहाना कुमरा ने यह मजेदार वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। अहाना ने लिखा, हम अभी एक शानदार फुटबॉलर (दानिश) के साथ रोड ट्रिप पर हैं। गाना 'जाइए सजना' सुनते हुए इस सफर का पूरा मजा ले रहे हैं। वापस आने का तो अभी कोई प्लान ही नहीं है। हम इस गाने को बार-बार सुन रहे हैं और इसकी खूबसूरती में पूरी तरह खो गए हैं।

उन्होंने आगे लिखा, हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हमें आदित्य धर, शाश्वत, सतिंदर सरताज और जैस्मिन जैसे बेहतरीन कलाकारों के समय में हैं। ये लोग संगीत के असली जादूगर हैं। 'धुरंधर' का यह गाना हमारे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है। हम इसे दिल से एंजॉय कर रहे हैं।

हमारी सिंगिंग के लिए माफ करना लेकिन हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। गाना 'जाइए सजना', जिसे शशवंत सजदेव ने कंपोज किया, जैस्मिन सैंडलस और सतिंदर सरताज ने इसे गाकर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। हालांकि गाने में सिर्फ सतिंदर की आवाज की कुछ ही लाइनें थीं, लेकिन वो लाइनें ही इतनी प्रभावशाली हैं कि सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ये गाना खास तौर पर रणवीर के इमोशन्स को बहुत खूबसूरती से दिखाता है क्योंकि ये लाइनें रणवीर के अंदर छुपे जज्बात और असमंजस को दर्शाती हैं। सतिंदर सरताज पंजाबी भाषा के एक शानदार सिंगर और कवि हैं।

स्ट्रीमिंग का जमाना आने से बहुत पहले, उन्होंने ऐसे गानों के लिए नाम कमाया जो पॉप ट्रैक के बजाय कविता सुनाने के ज्यादा करीब लगते हैं। सूफी फिलॉसफी से जुड़े उनके म्यूज़िक में पंजाबी लोक परंपराएं, क्लासिकल ट्रेनिंग और लिटरेरी सॉन्ग राइटिंग का मेल है।

मेन स्ट्रीम सिनेमा के मुकाबले ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार : भूमि पेडनेकर

नई दिल्ली/एजेन्सी

मायानगरी के सिनेमा के सपने को पूरा करने का ख्वाब अब दिल्ली में भी देखा जा सकेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पहली बार दिल्ली में हो रहा है। 31 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में सितारों का मेला लग रहा है। सोमवार को 'टॉयलेट : एक प्रेमकथा' और 'दम लगाके हईशा' जैसी फिल्मों में लीड रोल निभा चुकीं भूमि पेडनेकर और अभिनेता मानव विज समारोह का हिस्सा बने। भूमि पेडनेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है। दिल्ली को इस फिल्म फेस्टिवल की सबसे ज्यादा जरूरत है, और आज सरकार और इस समारोह से जुड़े लोगों की मेहनत ने कलाकारों और निर्माताओं को बड़ा मंच दिया है। भले ही मैं मुंबईवासी हूं, लेकिन मेरा दिल दिल्ली के लिए धड़कता है। ओटीटी और सिनेमा में आए बदलाव पर अभिनेत्री ने कहा कि ओटीटी पर जितने भी किरदार एक्सपेरिमेंटल मिलते हैं, वो राइटर की बदौलत मिलते हैं, क्योंकि वो वैसे किरदारों को लिखते हैं, हमें बस सही किरदार का चुनाव करना होता है, लेकिन मेन स्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं के लिए उतने अच्छे और एक्सपेरिमेंटल रोल नहीं मिल पा रहे हैं, जितने ओटीटी पर मिल रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा में यह बदलाव भी जल्द से जल्द आएगा।

पंजाबी अभिनेता मानव विज भी महोत्सव का हिस्सा बने और उनकी फिल्म 'मां जाए' की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी गई। मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और किरदार को जीवंत करने के लिए उन्होंने पूरी जान लगा दी थी। मुझे पता था कि फिल्म अच्छी साबित होगी, लेकिन यह नहीं पता था कि फिल्म को इतना सम्मान भी मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिल्ली को जरूरी बताते हुए अभिनेता ने कहा, इसी महोत्सव की वजह से अच्छा सिनेमा सामने आ पाता है और दूसरों को भी अच्छी फिल्म बनाने की प्रेरणा मिलती है। आप किसी चीज की बेहतरी तभी कर सकते हैं, जब उसे बेहतर मंच मिलेगा।

अवार्ड

अभिनेता बसीर अली, कशिश कपूर, आकांक्षा पुरी, चाहत पांडे और नतालिया डायर मुंबई में आयोजित 'यूनिवर्सल इंडिया अवार्ड्स 2026' के दौरान।

जैकी श्रॉफ ने फिल्म 'वन टू का फोर' की सिल्वर जुबली पर शेयर की पुरानी यादें

मुंबई/एजेन्सी

क्राइम ड्रामा फिल्म 'वन टू का फोर' के रिलीज को 25 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म की कहानी दो दोस्तों पर केंद्रित होती है। फिल्म में शाहरुख, जैकी और जूही मुख्य भूमिका में थे। फिल्म के 25 साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम के जरिए पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के पुराने क्लिप्स शेयर किए। अभिनेता ने लिखा, फिल्म 'वन टू का फोर' के रिलीज को 25 साल पूरे हो गए।

वन टू का फोर वर्ष 2001 में रिलीज हुई एक बॉलीवुड ड्रामा है, जिसका निर्देशन शशिकला के नायर ने किया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई नहीं की थी लेकिन अपनी बेहतर कहानी और प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसमें शाहरुख खान का किरदार दर्शकों को बहुत पसंद आया। वे बच्चों के साथ कैसे जुड़ते हैं और अपराधियों से लड़ते हैं, यह देखना रोचक था। फिल्म में ए.आर. रहमान का संगीत भी खास था।फिल्म के इस सफर ने बॉलीवुड में कई यादें छोड़ी हैं। शाहरुख खान का स्टाइल, एक्शन सीक्वेंस और बच्चों के साथ के सीन आज भी लोगों को अच्छे लगते हैं। जैकी श्रॉफ जैसे अनुभवी अभिनेता की मौजूदगी ने फिल्म को मजबूती दी।वहीं, फिल्म में जूही का भी अहम रोल था। उन्होंने फिल्म में एक अंडरकवर पुलिस अफसर की भूमिका अदा की थी, जो बाद में बच्चों की देखभाल में अरुण की मदद करती है।

फिल्म की कहानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के ईर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में जब ड्रग्स छापे में जावेद (जैकी श्रॉफ) मारा जाता है, तो अरुण (शाहरुख खान) उसके बच्चों की देखभाल करता है। इस दौरान, वह पुलिस महकमे में छिपे भ्रष्ट अधिकारियों और एक ड्रग माफिया का पर्दाफाश करता है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, और इसके गाने, विशेष रूप से 'सोना नहीं ना सही' और 'ओसाका मुरैया' लोकप्रिय रहे थे।

'कालीदास 2' तीन अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी थ्रिलर फिल्म

चेन्नई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में जब भी किसी हिट फिल्म का सीक्वल आता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। ऐसी ही एक फिल्म है 'कालीदास 2', जो अपने पहले पार्ट की सफलता के बाद अब दर्शकों के बीच वापसी करने जा रही है। रिलीज से पहले ही इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है और अब इसे लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। दरअसल, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने इस फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट दे दिया है। इसका मतलब है कि फिल्म अब सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है और इसे परिवार के साथ देखा जा सकता है, हालांकि बच्चों के लिए अभिभावकों की सलाह जरूरी होगी। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 3 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में एक और खास अपडेट शेयर किया था, जिसमें अभिनेता किशोर का फर्स्ट लुक सामने आया था। इस फिल्म में वह 'पांड्या' नाम के किरदार में नजर आएंगे। पोस्टर में उनका लुक काफी खतरनाक और रहस्यमयी दिखाया गया है। मेकर्स ने उनके किरदार को 'रॉ', 'रफ' और 'अनप्रिडिक्टेबल' करार दिया।

यह फिल्म सालों पहले आई सुपरहिट फिल्म 'कालीदास' का दूसरा पार्ट है। इसे के.सेंथिल और डॉ. एन योगेश्वरन ने प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि इस फिल्म को भी सेंथिल ने ही लिखा और डायरेक्ट किया है, जिन्होंने पहले पार्ट को भी बनाया था। ऐसे में दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म भी उतनी ही दमदार होगी।फिल्म में भरत और अजय कार्थी लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा, भवानी श्री, संगीता और टीएम कार्तिक समेत कई कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। संगीता लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं, जो दर्शकों के लिए एक अलग ही रोमांच लाएगा।फिल्म के टीजर की बात करें तो, यह डरावने और भावनात्मक सीन से भरपूर है। टीजर में देखा जा सकता है कि भरत एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं; उनको एक महिला का फोन आता है, जो काफी डरी हुई है और उनसे मदद की गुहार लगा रही है। टीजर में एक वॉयसओवर भी सुनाई देता है, इसमें कहा गया है कि हर अपराध की सजा होती है, लेकिन कुछ मामलों में सजा किसी बाहरी ताकत से नहीं, बल्कि अलग तरीके से मिलती है।

अक्षय कुमार ने शेयर किया जीवन का सबसे बड़ा सबक

मुंबई/एजेन्सी

जिंदगी में अक्सर चीजें हमारी योजना के अनुसार नहीं होतीं। कई ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होती। इसलिए हमें कभी भी यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई चीज हमारी क्षमता या पहुंच के बाहर है। इस बात को हाल ही में टीवी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के हालिया एपिसोड में अभिनेता अक्षय कुमार ने बहुत ही आसान तरीके से शो के एक कंटेस्टेंट को समझाया। दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट स्तुति ने कहा कि उसे लगता है कि कुछ लोग 'उसकी लीग' से बाहर हैं। स्तुति ने बताया कि शाहरुख खान हमेशा से उसके क्रश रहे हैं और जब शाहरुख खान ने गौरी खान से शादी की थी, तो उसका दिल टूट गया था। फिर, उसने सोचा कि अगर शाहरुख नहीं तो आर्यन खान सही, लेकिन बाद में उसे लगा कि आर्यन खान भी उसकी लीग से बहुत बाहर हैं। अक्षय कुमार ने स्तुति की इस बात को सुनकर अपनी जिंदगी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं होता।

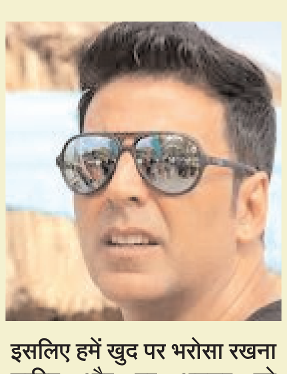

इसलिए हमें खुद पर भरोसा रखना चाहिए और हर अवसर को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी यह सोचकर सीमित नहीं रहना चाहिए कि कोई व्यक्ति या सपना उसकी पहुंच से बाहर है। अक्षय ने अपनी कहानी बताते हुए कहा कि उनकी शादी ट्विंकल खन्ना से हुई है। ट्विंकल खन्ना दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना और अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की बेटी हैं। अक्षय ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा, जब मैं छोटा था, तो मेरे पापा और मम्मी मुझे कंधों पर बिठाकर कार्टर रोड और बैंडस्टैंड घुमाने ले जाते थे। उस समय राजेश खन्ना जी की गाड़ी वहां से गुजरती थी। तब वे मेरे ससुर नहीं थे, सिर्फ एक बड़े स्टार थे। उस समय हम उन्हें दूर से देखा करते थे।

उन्होंने आगे कहा, किसी ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मेरी शादी उनकी बेटी से हो जाएगी। उस समय तो मैंने भी इसकी कल्पना नहीं की थी। अक्षय कुमार ने जोर देते हुए कहा कि असल में कोई भी चीज हमारी पहुंच से बाहर नहीं होती। उन्होंने बताया कि बचपन में राजेश खन्ना को देखने वाले छोटे लड़के को आजकल लोग उनके दामाद के रूप में जानते हैं।

जैनम ट्रस्ट ने प्रभु महावीर जन्मकल्याण समारोह का 50वां आयोजन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट द्वारा 50वां वार्षिक भगवान महावीर जन्म कल्याणक स्वर्णिम समारोह और जैनम भवन की 25वीं रजत जयंती वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन मंगलवार को आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी एवं डॉ पदमचंद्रजी की निश्रा में किया गया। सुबह प्रभात फेरी, संत प्रवचन, गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। श्रीरामपुरम स्थित ग्राउंड पर आयोजित भक्ति में संगीतकार विनीत गेमावत ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अध्यक्ष रमेश सियाल, मंत्री दिलीप आच्छा और जैनम मंडल, शांतिनाथ युवा मंडल युविका मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भगवान महावीर के सिद्धान्तों में है वैश्विक समस्याओं का समाधान : साध्वीश्री पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में मंगलवार को नरसिंहपुरम ग्राम में भगवान महावीर की 2825वीं जयंती मनाई गई। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि भगवान महावीर अहिंसा के अवतारी थे, सत्य के पुजारी थे, समता के महासागर थे। वे क्षमाशूर थे, परिषहजयी थे। संसार में दो तरह के शूर होते हैं युद्धशूर और क्षमाशूर। युद्धशूर शत्रुओं को जीतता है, क्षमाशूर शत्रुता के भाव को जीतता है, अपने आप को जीतता है। भगवान महावीर हमारे लिए आदर्श हैं, उनके सिद्धान्त बड़े प्रासंगिक हैं। साध्वीश्री ने कहा कि तीन प्रकार की समस्या होती है, विश्व मैत्री का अभाव, शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का अभाव और मानवीय विषमताएं। तीनों समस्याओं का समाधान भगवान महावीर की वाणी में है। पहली समस्या का समाधान भगवान ने सभी से मित्रता करने से दिया। दूसरी समस्या का समाधान अनेकान्तवाद से दिया। तीसरी समस्या का समाधान में भगवान ने कहा कि सब जीवों की आत्मा समान है, किसी को छोटा, बड़ा मत मानो। हम भगवान महावीर के सिद्धांतों को समझें और अपने जीवन में उतारें। साध्वीश्री ने कहा कि आज के दिन आचार्य भिक्षु की तेरस भी है। भगवान महावीर और आचार्य भिक्षु में कई समानताएं देखने को मिलती हैं। भगवान ने तप, ध्यान, मौन, कायोत्सर्ग की साधना की। जन-जन का उद्धार करते हुए मोक्ष को प्राप्त किया। इस अवसर पर साध्वी वर्धमानयशाजी ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर भाजपा के विपुल छाजेड़, विमल पितलिया, मदन गन्ना, वंश पितलिया, हासन, चन्नरायपटना, नरसिंहपुरम महिला मंडल की सदस्याएँ उपस्थित थीं। गौतम पितलिया ने धन्यवाद दिया। संचालन साध्वी बोधिप्रभाजी ने किया।

शूले में धूमधाम से मनाया गया प्रभु महावीर जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के शूले स्थित महावीर जैन भवन में मंगलवार को संस्कार जैन महिला मंडल द्वारा प्रभु महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में शूले संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, उपाध्यक्ष मीठालाल दुधेड़िया, मंत्री सुनील मरलेचा, कोषाध्यक्ष निहालचंद कांकलिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

मंडल की अध्यक्षा संतोष कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए महावीर जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। उपाध्यक्षा मधु दुधेड़िया, कोषाध्यक्ष चन्द्रा चोपड़ा, देवराज खींचा ने महावीर स्वामी के मुख्य सिद्धांत हिंसा, अपरिग्रह तथा अनेकांत आदि पर प्रकाश डाला।संचालन आशा गादिया ने किया। मंत्री चंचल चोपड़ा व सिमरन सांखला ने विभिन्न सत्रों में धन्यवाद दिया।

अहिंसा के अवतार थे प्रभु महावीर : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित एक श्रावक के निवास पर साध्वीश्री संयमलताजी सान्निध्य में भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर 'एक शाम महावीर के नाम भक्ति संध्या' का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वी श्री संयमलताजी ने कहा कि एक कथनी और करनी के जीवंत प्रतिरूप थे भगवान महावीर। समता, क्षमता के समन्वय थे महावीर, अहिंसा के अवतार थे महावीर। महावीर का जीवन हमें अणुव्रत अहिंसा का रास्ता दिखाता है। विश्व आतंकवाद, युद्ध, पारिवारिक, सामाजिक या व्यक्तिगत जीवन की हर समस्या का समाधान महावीर की वाणी में है, उनके जीवन में है। भगवान महावीर ने संघर्षों को सहकर भी दृढ़ता, धीरता सहिष्णुता का संदेश मानव जाति के लिए दिया। उनके अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत के सिद्धांतों को जन-जन तक अपनाएं जिससे शांतिपूर्ण वातावरण का निर्माण हो सकता है। भक्ति संध्या में गीतकारों ने महावीर के गीतों से समा बांधा। गायक संदीप संचेती, अंकित सुराणा, अश्विनी धोका ने भजनों की प्रस्तुति दी। साध्वीवृंद ने गीतिका का संगान किया।

बन्नरघट्टा श्रुताराधना महिला ग्रुप ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंत्री दिलीप खाटेड़ ने सभी का स्वागत किया। सभा के अध्यक्ष राजकुमार कोटेचा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में जिगनी, बन्नरघट्टा, बीटीएम आदि क्षेत्रों से श्रद्धालुओं की उपस्थित थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

महावीर जिनालय में धूमधाम से मनाया गया महावीर जन्मकल्याणक, बांटे गए लड्डू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के महावीर जिनालय में मंगलवार को भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु पक्षाल से हुआ, तत्पश्चात स्नात्र महोत्सव एवं महावीर पंच कल्याणक पूजा का आयोजन किया गया।

सुमतिनाथ जैन महिला मंडल की सदस्याओं ने पूजा महोत्सव सम्पन्न कराया। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा संचालित नेत्र चिकित्सालय एवं डायलेसिस सेवा केन्द्र में उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों को लड्डु वितरित किए गए। राजू कुंदनमल जैन के सौजन्य से आयोजित इस महोत्सव में जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, उपाध्यक्ष वसंत जैन, महामंत्री प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष घेवरचंद जैन सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर जन्मकल्याणक

बेंगलूरु के विल्सन गार्डन स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर माता त्रिशला के 16 स्वप्न, तीर्थंकर बालक प्रभु का सुमेरु पर्वत पर अभिषेक, तप कल्याणक और मोक्ष कल्याणक महोत्सव की भव्य झाँकी निकाली गई और अनेक आध्यात्मिक- सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दलाई लामा ने पोप लियो की शांति की अपील दोहराई, वैश्विक संघर्षों को खत्म करने का आग्रह किया

धर्मशाला/भाषा। तिब्बती आध्यात्मिक नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा ने पोप लियो 14वें की ओर से की गई शांति की हालिया अपील का मंगलवार को समर्थन किया। धर्मशाला से जारी संदेश में दलाई लामा ने इस बात को रेखांकित किया कि किसी भी आध्यात्मिक परंपरा में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने सभी धर्मों में व्याप्त करुणा, सहिष्णुता और सद्भाव के साझा मूल्यों पर भी प्रकाश डाला। सेंट पीटर्स स्क्वायर में पाम संडे धर्म सभा के दौरान पोप की ओर से की गई अपील का समर्थन करते हुए दलाई लामा ने कहा, हथियार डालने और हिंसा रोकने की अपील ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है, क्योंकि सभी प्रमुख धर्म यही सीख देते हैं। दलाई लामा ने कहा, मैं पोप लियो की ओर से पाम संडे सभा के दौरान की गई शांति की सशक्त अपील का तहे दिल से समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा, किसी भी धर्म में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। ईसाई, बौद्ध, इस्लाम, हिंदू और यहूदी सहित सभी प्रमुख धर्म प्रेम, करुणा, सहिष्णुता और आत्म-अनुशासन का समान संदेश साझा करते हैं। दलाई लामा ने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों और रूस-यूक्रेन युद्ध का स्थाई समाधान संवाद, कूटनीति और आपसी सम्मान पर आधारित होना चाहिए-इस गहरी समझ के साथ कि हम सभी भाई-बहन हैं।

पेंटिंग्स प्रदर्शनी के माध्मय से कल्याण मित्रों ने किया महावीर के सिद्धांतों का प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में मंगलवार को गांधीनगर स्थित कुंडलपुर नगरी में कल्याण मित्र परिवार द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर आधारित सुंदर एवं कलात्मक पेंटिंग्स की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संगठन के वरिष्ठ सदस्य जीतेश भंडारी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शब्द की तरह चित्र का भी मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सकारात्मक संदेशयुक्त चित्र व्यक्ति को सत्कार्य की प्रेरणा देते हैं। प्रदर्शनी में मीडिया प्रभारी हितेश कटारिया ने बताया कि प्रदर्शनी के चित्र भगवान महावीरस्वामी के जीवन को जानने में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के लिए सरल एवं प्रभावशाली माध्यम साबित हो रहे है। निष्कृत कंकुलोल के नेतृत्व में प्रशिक्षित युवाओं ने आगंतुक दर्शकों को चित्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और प्रत्येक घटना से बोध लेने की भी प्रेरणा दी। प्रदर्शनी देखने के बाद प्रश्नोत्तरी के विजेता बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में ज्ञानवर्धक गेम्स प्रदान किए गए। प्रदर्शनी के संयोजक धीरज कटारिया ने बताया कि आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की प्रेरणा से इस प्रदर्शनी का अनेक स्थलों पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

अहिंसा, अनेकांत और क्षमा ही विश्वशांति के आधार है : आचार्य विमलसागरसूरी

महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में आयोजित हुई रथयात्रा और धर्मसभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। मंगलवार को निर्माणाधीन सिवांची भवन में 2625वें महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में सकल जैन समाज द्वारा आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीरस्वामी की अहिंसा, अनेकांतवाद और क्षमा की शिक्षाओं के बिना विश्वशांति की कोई संभावना नज़र नहीं आ रही। पूरी दुनिया आज विश्वयुद्ध के कगार पर खड़ी है। अपने से जो छोटे हों, उनके अस्तित्व को स्वीकार न करना, धर्म-संप्रदायों की कट्टरता में दूसरों को हीन समझना, अनीति की राजनीति करना, दूसरों के अधिकार क्षेत्र हड़पना और हथियारों के ज़खीरे खड़े कर दूसरों का दमन करना, आज विश्व के अनेक राजनेताओं और उद्योगपतियों के मलिन इरादे बन गए हैं। ऐसी स्थिति में समग्र मानवजाति का अस्तित्व जोखिम में पड़ गया है। इतने हथियार बना दिए गए हैं कि उनसे एक बार नहीं, दो बार इस पूरे विश्व को तबाह किया जा सकता है। ऐसे विपत्तिकाल में भगवान महावीर जैसे महापुरुषों की शिक्षाओं से सीख लेकर हम शांति से जीने का मार्ग तलाश सकते हैं।

जैनाचार्य ने कहा कि धन, बुद्धि, मीडिया, तकनीक, शक्ति और युद्ध, ये कोई भी विश्व में शांति की स्थापना नहीं कर सकते। कुछ विशिष्ट सिद्धांत ही हैं जो सहअस्तित्व और परस्पर सामाजिक सरोकारों को समझते हुए हिलमिलकर जीने की प्रेरणा देते हैं। कभी भगवान महावीर ने कहा था कि जीवन का अंत है, पर युद्ध और लड़ाईयों का कोई अंत नहीं है। अहिंसा मानवजाति के अस्तित्व का आधार है। हिंसा और जिंदगी, दोनों लंबे समय तक साथ-साथ नहीं चल सकेंगे। इसी तरह अनेकांतवाद हर पक्ष के अस्तित्व को स्वीकार करता है और क्षमा के बिना बीती बातों का कोई समाधान नहीं निकल सकता। इस प्रकार ये तीनों सिद्धांत वर्तमान विश्व के लिए सर्वाधिक प्रासंगिक है। इस रूप में भगवान महावीर 2600 वर्ष बाद भी दुनिया के लिए ज्योतिर्स्तंभ है।ङ्गतपागच्छ, खरतरगच्छ, कच्छी अचलगच्छ, त्रिस्तुतिक, स्थानकवासी, तेरापंथी आदि सभी संप्रदायों और संघों के एक एक प्रतिनिधि ने समारोह को संबोधित किया। वासुपूज्य संघ से पंन्यास जिनांगयशविजयजी और नाकोड़ा संघ से मुनि आर्यशेखरविजयजी ने भी समारोह को संबोधित किया। गणि पद्मविमलसागरजी ने वर्तमान में महावीर की प्रासंगिकता पर रोचक विवेचना की। खरतरगच्छ की साध्वी सूर्यप्रभाजी अपनी शिष्याओं के साथ रथयात्रा व धर्मसभा में सम्मिलित हुई। लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जैन मरुधर संघ के मंत्री दिनेश संघवी ने समारोह का संचालन किया। इससे पूर्व शांतिनाथ मंदिर, कंचगार गली से प्रातः 7.30 बजे महावीर भगवान के जयकारों के साथ विशाल रथयात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में श्वेत वस्त्रों में साफे धारण कर पुरुष वर्ग और लाल वस्त्रों में महिला वर्ग सजधजकर रथयात्रा में सम्मिलित हुए। आम लोगों को प्रसादी के रूप में मिठाई वितरित की गई। युवा वर्ग ने भावभक्ति पूर्वक रथ को खींचा। जैनाचार्य के आह्वान पर यात्रा के रास्ते में जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में घर घर तोरण, रंगोली रचना और दीप प्रज्वलन किए गए।

सामायिक व महावीर स्तुति के साथ मनाया महावीर जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अलसूर स्थित श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में महावीर जन्म कल्याणक प्रसंग पर सूर्योदय सामायिक का आयोजन कर तीर्थंकर महावीर की स्तुति की गई। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि भगवान महावीर के जन्मोत्सव को मनाने देवलोक से इंद्र और अनेक देवी देवता आए थे और रात में ही अनेक सूर्यों जैसा उजाला हो गया था। महावीर ने संयम ले कर स्वयं पर शोध किया और तप द्वारा कर्म कर्ज का क्षय कर केवल ज्ञान को प्राप्त कर तीर्थ की स्थापना की और लोक को अहिंसा का सिद्धांत देते हुए बताया कि जैसी हमारी आत्मा हैं वैसी ही प्रत्येक जीव की आत्मा होती हैं। जीव को बचाना अहिंसा है और यतना से हम आसानी से अहिंसा धर्म का पालन कर सकते हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर से संबंधित गीत गान किए। सुरेश कुमार बांठिया ने गीत प्रस्तुत किया। संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने मंगल पाठ प्रदान किया। इस आयोजन में अलसूर महिला मंडल, जैन युवक संघ, नवकार बहु मंडल ने व्यवस्था में सहयोग दिया ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**